5

कम्पनी लेखेः अंशों एवं ऋणपत्रों का निर्गमन
(Company Accounts : Issue of Shares and Debentures)

अध्ययन उद्देश्य (Learning Objectives)

इस अध्याय के अध्ययन के पश्चात् आप यह समझने योग्य हो जाते हैं :–

- कम्पनी का अर्थ एवं विशेषताएँ
- कम्पनियों के विभिन्न प्रकार
- कम्पनियों का वर्गीकरण
- अंश एवं अंशों के प्रकार
- समता अंश एवं पूर्वाधिकार अंश में अन्तर
- कम्पनी की अंश पूँजी के प्रकार
- कम्पनी की अंश पूँजी का स्थिति विवरण में प्रकटीकरण
- अंशों के सम मूल्य और प्रीमियम पर निर्गमन का लेखांकन व्यवहार
- अंशों का रोकड के बदले एवं प्रतिफल के बदले निर्गमन का लेखांकन व्यवहार
- अंशों का न्यून–अभिदान एवं अधि–अभिदान
- स्वेट समता अंश,अधिकार अंश, कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना, कर्मचारी स्टॉक क्रय योजना, एसक्रो खाता
- ऋणपत्रों का अर्थ,विशेषताएँ एवं प्रकार
- अंश एवं ऋणपत्र में अन्तर
- ऋणपत्रों के निर्गमन का लेखांकन व्यवहार
- ऋणपत्रों का चिट्ठे में प्रकटीकरण
- नकद के अतिरिक्त प्रतिफल के रूप में ऋणपत्रों के निर्गमन का अर्थ एवं लेखांकन व्यवहार
- प्रतिभूति के रूप में, शोधन की शर्तों के आधार पर ऋणपत्रों का निर्गमन
- ऋणपत्रों पर ब्याज का अर्थ एव लेखांकन
- ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा या हानि को अपलिखित करना

कम्पनी का अर्थ एवं परिभाषाऐं
(Meaning and Definitions of Company)

कम्पनी या संयुक्त स्कन्ध (Joint stock) वाली कम्पनी एक ऐसा संगठन है जिसका निर्माण सामान्यतः एक व्यवसाय को चलाने के लिए व्यक्तियों के एक समूह द्वारा कानून की एक प्रक्रिया पूर्ण करने पर होता है। कम्पनी एक कृत्रिम व्यक्ति होती है जो अपने सदस्यों से पृथक होती है। कम्पनी की पूँजी अनेक भागों में विभक्त होती है जिसका एक हिस्सा अंश(Share) कहलाता है। कम्पनी की अंश पूँजी के हिस्से/हिस्सों के मालिक को सदस्य या अंशधारी कहते हैं।

कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 2(20) के अनुसार,"कम्पनी से आशय इस अधिनियम के अन्तर्गत या पूर्व के किसी कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत कम्पनी से है।"

प्रो. हैने के अनुसार "कम्पनी विधान द्वारा निर्मित कृत्रिम व्यक्ति है जिसका पृथक अस्तित्व एवं अविच्छिन्न उत्तराधिकार होता है और एक सार्वमुद्रा होती है।"

इस प्रकार सरल शब्दों में कह सकते हैं कि कम्पनी विधान द्वारा निर्मित कृत्रिम व्यक्ति है जिसका अपने सदस्यों से पृथक अस्तित्व एवं अविच्छिन्न उत्तराधिकार होता है जो अपना कार्य सार्वमुद्रा द्वारा करती है।

कम्पनी की विशेषताएँ (Characteristics of Company):–एक कम्पनी की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं –

1. यह कम्पनी अधिनियम, 2013 या इसके पूर्व के किसी अधिनियम के अन्तर्गत समामेलित संस्था होती है। **2.** यह विधान द्वारा निर्मित कृत्रिम एवं अदृश्य व्यक्ति है। **3.** कम्पनी का अस्तित्व अपने सदस्यों से पृथक होता है। **4.** एक कम्पनी का उत्तराधिकार सतत् होता है। **5.** अंशों द्वारा सीमित कम्पनी में उसके सदस्यों का दायित्व सीमित होता है। **6.** निजी कम्पनी को छोडकर एक कम्पनी के अंशों का हस्तान्तरण स्वतंत्र रूप से किया जा सकता है। **7.** कम्पनी का संचालन उसके स्वामियों के द्वारा चुने गये संचालकों के माध्यम से किया जाता है। **8.** कम्पनी की अपनी एक सार्वमुद्रा होती है।

कम्पनियों के प्रकार (Kinds of Companies) :– कम्पनियाँ तीन प्रकार की होती है :–

(1) एक व्यक्ति वाली कम्पनी; (2) निजी कम्पनी और (3) सार्वजनिक कम्पनी।

(1) एक व्यक्ति वाली कम्पनी(One Person Company):– कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(62) के अनुसार एक व्यक्ति वाली कम्पनी से आशय उस कम्पनी से है जिसमें एक ही व्यक्ति सदस्य के रूप में हो। इस प्रकार की कम्पनी का समामेलन निजी कम्पनी के रूप में होता है।

एक व्यक्ति वाली कम्पनी एकल स्वामित्व(Sole Proprietary) से भिन्न होती है क्योंकि एक व्यक्ति वाली कम्पनी(OPC)में सदस्यों के सीमित दायित्व के साथ–साथ पृथक वैधानिक अस्तित्व होता है, जबकि एकल स्वामी का दायित्व उसकी निजी एवं व्यावसायिक सम्पत्तियों तक विस्तृत होता है।

(2) निजी कम्पनी (Private Company):– कम्पनी अधनियम,2013 की धारा 2(68) के अनुसार, निजी कम्पनी से आशय ऐसी कम्पनी से है जिसकी न्यूनतम पूँजी ₹1 लाख या अधिक, जो निर्धारित की जाये, होती है, जो अपने अन्तर्नियमों द्वारा: **(अ)** अंशों के हस्तान्तरण अधिकार पर प्रतिबन्ध लगाती है; **(ब)** एक व्यक्ति वाली कम्पनी को छोडकर,सदस्यों की संख्या 200 तक सीमित करती है (वर्तमान व भूतपूर्व कर्मचारी सदस्यों को छोडकर); तथा **(स)** अपनी किसी भी प्रतिभूति के क्रय हेतु जनता को आमंत्रित करने पर रोक लगाती है।

एक निजी कम्पनी में न्यूनतम सदस्य संख्या–2 होती है। निजी कम्पनी को अपने नाम के अन्त में 'Private Limited' लिखना होता है।

(3) सार्वजनिक कम्पनी (Public Company):– कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(71) के अनुसार सार्वजनिक कम्पनी से आशय ऐसी कम्पनी से है जो कि **(अ)** एक निजी कम्पनी नहीं है; **(ब)** जिसकी न्यूनतम पूँजी ₹ 5 लाख होती है; **(स)** कम्पनी के निर्माण हेतु 7 या अधिक सदस्य होने चाहिए; तथा **(द)** जो एक निजी कम्पनी है किन्तु यह कम्पनी एक ऐसी कम्पनी की सहायक कम्पनी है जो कि निजी कम्पनी नहीं है। अर्थात् इस धारा के तहत् एक निजी कम्पनी जो सार्वजनिक कम्पनी की सहायक कम्पनी हो तो वह भी सार्वजनिक कम्पनी मानी(Deemed Public Company) जायेगी। सार्वजनिक कम्पनी में अधिकतम सदस्य संख्या पर कोई प्रतिबन्ध नहीं है। सार्वजनिक कम्पनी को अपने नाम के अंत में 'Limited' लिखना होता है।

कम्पनियों का वर्गीकरण (Classification of Companies) :–

(अ) दायित्व के आधार पर कम्पनियों के प्रकार : कम्पनियॉ तीन प्रकार की हो सकती हैं (1) अंशों द्वारा सीमित कम्पनी (2) गारन्टी द्वारा सीमित कम्पनी। (3) असीमित कम्पनी।

(1) अंशों द्वारा सीमित कम्पनी (Company Limited by Shares) : कम्पनी अधिनियम,2013 की धारा 2(22) के अनुसार,एक कम्पनी के सदस्यों का दायित्व,उसके पार्षद सीमानियम द्वारा, उनके द्वारा धारित अंशों पर अदत्त राशि की सीमा तक ही सीमित रहता है तो वह अंशों द्वारा सीमित कम्पनी कहलाती है। उदाहरणार्थ – यदि राम के पास X Ltd. के ₹ 10 वाले 6000 अंश हैं जिन पर ₹ 7 प्रति अंश पूर्व में ही भुगतान कर चुका है,तो उसका दायित्व शेष राशि (₹ 3 x 6000)= ₹ 18000 तक ही सीमित रहेगा।

(2) गारन्टी द्वारा सीमित कम्पनी (Company Limited by Guarantee) : कम्पनी अधिनियम,2013 की धारा 2(21) के अनुसार ऐसी कम्पनी जिसके सदस्यों का दायित्व उसके सीमानियम में निर्धारित उस राशि तक सीमित रहता है, जो वे कम्पनी के समापन के समय कम्पनी की सम्पत्तियों के लिए अंशदान करने का वचन देते हैं। अर्थात् गारन्टी द्वारा

सीमित कम्पनी में सदस्यों का दायित्व पार्षद सीमानियम में वर्णित राशि तक सीमित होता है। सीमानियम में उल्लिखित राशि से अधिक राशि का भुगतान करने के लिए सदस्यों से मांग नहीं की जा सकती है।

(3) असीमित कम्पनी (Unlimited Company) : कम्पनी अधिनियम की धारा 2(92)के अनुसार,एक कम्पनी जिसके सदस्यों के दायित्व की कोई सीमा निर्धारित नहीं होती, असीमित कम्पनी कहलाती है। अर्थात् ऐसी कम्पनी के सदस्यों का दायित्व असीमित होता है।

कम्पनी की अंश पूंजी (Share Capital of a Company)

अंश पूँजी से आशय उस राशि से है जिसे एक कम्पनी अंशों का निर्गमन कर एकत्रित कर सकती हैं या एकत्रित कर चुकी है। एक कम्पनी की पूँजी निर्धारित मूल्य वाली छोटी–छोटी इकाईयों में विभक्त होती है (जैसे– ₹ 1, ₹ 2, ₹ 5, ₹ 10 या ₹ 100) और ऐसी प्रत्येक इकाई अंश कहलाती है। उदाहरण के लिए एक कम्पनी की कुल पूँजी ₹ 100,00,000 है जो ₹ 10 वाले 10,00,000 अंशों में विभक्त हैं तो ऐसी दशा में इस कम्पनी की कुल पूँजी ₹ 10 वाले 10,00,000 अंश होगी तथा अंश का अंकित मूल्य(Nominal Value) ₹ 10 होगा।

अंशों के प्रकार (Kinds of Shares)

धारा–43 के अनुसार,एक कम्पनी की अंश पूँजी दो प्रकार की हो सकती है– (1) पूर्वाधिकार अंश पूँजी (2) समता अंश पूँजी

(1) पूर्वाधिकार अंश (Preference Shares):– पूर्वाधिकार अंश वे अंश होते हैं जिन्हें निम्न दो पूर्वाधिकार होते है:–

(i) लाभांश प्राप्त करने का पूर्वाधिकार, जो कि समता अंशधारियों को लाभांश भुगतान से पूर्व निश्चित राशि या निश्चित दर से परिकलित कर चुकाया जायेगा, जो आयकर को ध्यान में रखकर अथवा आयकर से मुक्त हो सकता हैं, एवं **(ii)** कम्पनी के समापन के समय समता अंशधारियों से पूर्व पूँजी वापस प्राप्त करने का पूर्वाधिकार।

पूर्वाधिकार अंशों के धारकों को पूर्वाधिकार अंशधारी कहा जाता है।

पूर्वाधिकार अंशों के प्रकार (Classes of Preference Shares):–कुछ विशेष अधिकारों के आधार पर पूर्वाधिकार अंश निम्न प्रकार के हो सकते हैं :–

(1) असंचयी पूर्वाधिकार अंश (Non-Cumulative Preference Shares):– असंचयी पूर्वाधिकार अंश वे पूर्वाधिकार अंश होते हैं जिनके धारकों को बकाया लाभांश को भविष्य में प्राप्त करने का अधिकार नहीं होता है, अर्थात् यदि कोई कम्पनी अपने पूर्वाधिकार अंशों पर लाभ न होने या अपर्याप्त लाभ होने के कारण किसी वर्ष का लाभांश देने में असमर्थ रही हो तो इन पूर्वाधिकार अंशों के धारकों को भविष्य में ऐसे लाभांश को प्राप्त करने का अधिकार नहीं होता हैं।

(2) संचयी पूर्वाधिकार अंश (Cumulative Preference Shares): संचयी पूर्वाधिकार अंश वे पूर्वाधिकार अंश होते हैं जिनके धारकों को समता अंशधारियों को लाभांश भुगतान से पूर्व अपने बकाया लाभांश को प्राप्त करने का अधिकार होता है।

(3) अवशिष्टभागी पूर्वाधिकार अंश (Participating Preference Shares):–यदि कम्पनी के अन्तर्नियमों में इस प्रकार की व्यवस्था हो कि समता अंशधारियों को लाभांश भुगतान करने के पश्चात् शेष बचे लाभों में से पूर्वाधिकार अंशों के धारकों को भी हिस्सा प्राप्त करने का अधिकार हो तो उन्हें अवशिष्टभागी पूर्वाधिकार अंश कहते हैं।

(4) अनावशिष्टभागी पूर्वाधिकार अंश (Non-Participating Preference Shares):–ऐसे पूर्वाधिकार अंश, जिनके धारकों को समता अंशधारियों को लाभांश भुगतान करने के पश्चात् शेष बचे लाभों में से हिस्सा प्राप्त करने का अधिकार नहीं होता है, अनावशिष्टभागी पूर्वाधिकार अंश कहते हैं।

(5) परिवर्तनीय पूर्वाधिकार अंश (Convertible Preference Shares): ऐसे पूर्वाधिकार अंश जिनके धारकों को यह अधिकार प्रदान किया जाता है कि वो एक निश्चित तिथि तक अपने अंशों को समता अंशों में परिवर्तन करा सकते हैं, परिवर्तनीय पूर्वाधिकार अंश कहलाते हैं।

(6) अपरिवर्तनीय पूर्वाधिकार अंश (Non-Convertible Preference Shares): अपरिवर्तनीय पूर्वाधिकार अंश ऐसे पूर्वाधिकार अंश होते हैं जिनके धारकों को, अपने अंशों को समता अंशों में परिवर्तन कराने का अधिकार नहीं होता है।

(7) शोधनीय पूर्वाधिकार अंश (Redeemable Preference Shares): पूर्वाधिकार अंश जिनका शोधन (भुगतान), कम्पनी द्वारा एक निश्चित तिथि को या उससे पूर्व किया जा सकता है शोधनीय पूर्वाधिकार अंश कहलाते हैं।

(8) अंशोधनीय पूर्वाधिकार अंश (Irredeemable Preference Shares) : अशोधनीय पूर्वाधिकार अंश जिनका शोधन कम्पनी के समापन के समय ही किया जा सकता है, अशोधनीय पूर्वाधिकार अंश कहलाते हैं। कम्पनी अधिनियम,2013 अशोधनीय पूर्वाधिकार अंश निर्गमन की अनुमति प्रदान नहीं करता है।

(2) समता अंश (Equity Share):–कम्पनी अधिनियम,2013 के अनुसार समता/सामान्य अंश वे अंश हैं, जो अधिमान अंश नहीं हैं। समता अंश ही सर्वाधिक निर्गमित किये जाते है, इनके धारक ही कम्पनी के वास्तविक स्वामी होते है जो कम्पनी की अधिकतम 'जोखिम व ईनाम' के हकदार होते है। इनकी पूँजी कम्पनी के समापन की दशा में पूर्वाधिकार अंश पूँजी का भुगतान करने के पश्चात् लौटाई जाती है।

समता अंश और पूर्वाधिकार अंश में अन्तर
(Difference between Equity Shares and Preference Shares)

क्र.सं.	अन्तर का आधार	समता अंश	पूर्वाधिकार अंश
1	लाभांश की दर	लाभांश की दर संचालक मण्डल द्वारा निश्चित की जाती है जिसे सदस्य अनुमोदित करते है।	लाभांश की दर पूर्व निर्धारित एवं निश्चित होती है।
2	लाभांश प्राप्ति का अधिकार	पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश देने के पश्चात् इन्हें लाभांश दिया जाता है।	समता अंशों से पूर्व लाभांश दिया जाता है।
3	बकाया लाभांश	यदि किसी वर्ष लाभांश घोषित नहीं किया है तो आगे के वर्षो में उस वर्ष का लाभांश का भुगतान नहीं किया जाता हैं। अर्थात यहां बकाया लाभांश होती ही नहीं है।	'संचयी पूर्वाधिकार अंशों पर ही बकाया लाभांश का भुगतान किया जाता है।
4	परिवर्तनीयता	समता अंश अपरिवर्तनीय होते हैं।	यदि निर्गमन की शर्तों में वर्णित हो तो पूर्वाधिकार अंशों को समता अंशों में परिवर्तित किया जा सकता है।
5	शोधन	ये कम्पनी के जीवन काल में शोधनीय नहीं हैं।कम्पनी इनकी पुनर्खरीद कर सकती है।	ये कम्पनी के जीवन काल में निश्चित अवधि के पश्चात् शोधनीय होते हैं।
6	मताधिकार	समता अंशधारियों को हर परिस्थिति में मताधिकार होता है।	पूर्वाधिकार अंशधारियों को सामान्यतः मताधिकार नहीं होता है।
7	पूँजी	समापन पर पूँजी की वापसी पूर्वाधिकार अंश पूँजी की वापसी के पश्चात् की जाती है।	समापन पर पूर्वाधिकार अंश पूँजी की वापसी समता अंश पूँजी से पूर्व की जाती है।

कम्पनी की अंश पूँजी के प्रकार
(Kinds of Share Capital of Company)

कम्पनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची– III (Schedule-III) के अनुसार एक कम्पनी को प्रत्येक वर्ग की अंश पूँजी को, **(i)** अधिकृत पूँजी; **(ii)** निर्गमित पूँजी; और **(iii)** प्रार्थित पूँजी के रूप में दर्शाना आवश्यक है।

(i) अधिकृत पूँजी (Authorised Share Capital):– कम्पनी अधिनियम,2013 की धारा–2(8)के अनुसार,''अधिकृत पूँजी(Authorised Capital) या पंजीकृत पूँजी(Registered Capital) से आशय ऐसी पूँजी से है जो कम्पनी के पार्षद सीमानियम द्वारा अधिकृत पूँजी की अधिकतम राशि हो। ''कम्पनी के पार्षद सीमानियम में पूँजी की जो अधिकतम राशि व्यक्त की जाती है,उसे अधिकृत पूँजी कहते हैं। इसमें प्रत्येक प्रकार के अंशों यथा पूर्वाधिकार अंश तथा समता अंशों को पृथक–पृथक दर्शाया जाता है।

(ii) निर्गमित पूँजी (Issued Capital):– कम्पनी अधिनियम,2013 की धारा 2(50) के अनुसार,''निर्गमित पूँजी से आशय ऐसी पूँजी से है जिसे कम्पनी द्वारा समय–समय पर अभिदान(Subscription)के लिए निर्गमित किया जाता हो।'' इस प्रकार निर्गमित पूँजी अधिकृत पूँजी का एक भाग है जिसे कम्पनी द्वारा अभिदान के लिए निर्गमित किया गया हो। कम्पनी द्वारा जनता को नगद धन या अन्य किसी प्रतिफल के बदले निर्गमित किये गये अंशों के अंकित मूल्य को निर्गमित पूँजी कहते हैं।

(iii) प्रार्थित पूँजी (Subscribed Capital):– कम्पनी अधिनियम,2013 की धारा 2(86) के अनुसार, ''प्रार्थित पूँजी से आशय पूँजी के उस भाग से है जो समय–समय पर कम्पनी के सदस्यों द्वारा प्रार्थित की गई हो।'' इस प्रकार प्रार्थित या अभिदत्त पूँजी निर्गमित पूँजी का एक भाग है जिसके लिए अभिदान किया जा चुका है।

(iv) मांगी गई पूँजी (Called-up Capital) :– कम्पनी अधिनियम,2013 की धारा 2(15) के अनुसार,"मांगी गई पूँजी से आशय पूँजी के उस भाग से है, जिसे भुगतान हेतु मांगा जा चुका हो।" इस प्रकार प्रार्थित पूँजी का वह भाग जिसे कम्पनी द्वारा अंशधारियों से मांगा जा चुका हो।

(v) प्रदत्त पूँजी (Paid-up Capital):– कम्पनी अधिनियम,2013 की धारा 2(64) के अनुसार,"प्रदत्त अंश पूँजी से आशय जमा की गई उन धनराशियों के योग के समतुल्य से है जो निर्गमित किये गये अंशों पर प्रदत्त रूप में प्राप्त हो गई हो तथा इसमें कम्पनी के अंशों के संदर्भ मे प्रदत्त रूप में जमा की गई राशि भी शामिल है लेकिन इसमें ऐसे अंशों के सम्बन्ध में प्राप्त अन्य राशि जिसे किसी भी नाम से जाना जाता हो,को शामिल नहीं किया जायेगा।"

उदाहरण 1: X लि. की अधिकृत पूँजी ₹ 10,00,000 है जो कि ₹ 10 वाले 50,000 समता अंश एवं 50000, 9% पूर्वाधिकार अंशों में विभाजित है। कम्पनी ने समस्त अंशों के लिए आवेदन आमन्त्रित किये। कम्पनी को समस्त पूर्वाधिकार अंशों एवं 45,000 समता अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। कम्पनी द्वारा अंशों के सम्बन्ध में समस्त राशि मांगी जा चुकी है एवं प्राप्त हो गई है। राम के 5000 समता अंशों पर अन्तिम मांग ₹ 2 प्रति अंश के हिसाब से नहीं चुकाई गई हैं। बताइये, अंश पूँजी कम्पनी के चिट्ठे में किस प्रकार प्रदर्शित होगी। साथ ही लेखांकन टिप्पणियाँ भी दीजिए।

X Ltd. has Authorised Capital of ₹ 10,00,000 divided into 50000 Equity Shares and 50000, 9% Preference Shares of ₹ 10 each. The Company invited applications for all these shares. Applications were received for all the Preference Shares and for 45000 Equity Shares by the company. All the amount regarding shares has been called and received to the company. Ram holds 5000 Equity Shares, has not paid final call of ₹ 2 per Share. Explain how capital will be shown in the Balance Sheet. Give Note to Accounts also.

हल : **X Ltd.**

Extract of Balance Sheet as at.....

Particulars	Note No.	Amount of Current Yr. ₹	Amount of Previous Yr. ₹
1. Equity and Liabilities			
1. Share holder's Fund:			
(a) Share Capital		9,40,000	

लेखांकन टिप्पणियाँ (Note to Accounts) :-

Particulars		Amount ₹
1. Share Capital- Authorised Capital:		
50000 Equity Shares of ₹ 10 each.		5,00,000
50000, 9% Preference Shares of ₹ 10 each.		5,00,000
		10,00,000
Issued Capital:		
50000 Equity Shares of ₹ 10 each		5,00,000
50000, 9% Preference Share of ₹ 10 each.		5,00,000
		10,00,000
Subscribed and Paid up Capital:		
45,000 Equity Shares of ₹ 10 each Fully Called up	4,50,000	
Less: Calls in Arrear (5000x2)	10,000	4,40,000
50000, 9% Preference Shares of ₹ 10 each. Fully Called & Paid up		5,00,000
		9,40,000

बकाया मांग (Calls-in-Arrears)– अंश पूँजी के सम्बन्ध में कम्पनी द्वारा मांगी गई वह राशि जिसका अंशधारी ने भुगतान नहीं किया है, बकाया मांग कहलाती है। इस राशि को लेखांकन टिप्पणी में अंश पूँजी शीर्षक में मांगी गई

पूँजी में से घटाकर दर्शाया जाता है। सारणी–F के अनुसार कम्पनी बकाया मांग पर 10% वार्षिक दर से ब्याज वसूल कर सकती है।

अग्रिम मांग (Calls-in-Advance)– एक कम्पनी को यदि उसके अन्तर्नियमों में वर्णित हो तो न मांगी गई मांग राशि के सम्बन्ध में प्राप्त राशि को स्वीकार कर सकती है जो अग्रिम मांग कहलाती है। चिट्ठे में इसे 'चालू दायित्व शीर्षक' के उपशीर्षक 'अन्य चालू दायित्वों' के अन्तर्गत दर्शाया जाता है। सारणी–F के अनुसार कम्पनी अग्रिम मांग की राशि पर 12% वार्षिक की दर से ब्याज दे सकती है।

(vi) संचित पूँजी (Reserve Capital)– संचित पूँजी से आशय न मांगी गई पूँजी के उस भाग से है, जिसे एक विशेष प्रस्ताव पास करके भविष्य में समापन के समय ही मांगने के लिए सुरक्षित कर दिया जाता है।

कम्पनी के चिट्ठे का प्रारूप
(Format of Company's Balance Sheet)

कम्पनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III के भाग I में चिट्ठे का निर्धारित प्रारूप निम्न है:–

Name of the Company
Balance Sheet as at……..

Particulars	Note No.	Figures for the current year(₹)	Figures for the Previous Year(₹)
EQUITY AND LIABILITIES			
1. Share holders' Funds			
a) Share Capital			
b) Reserves and Surplus			
c) Money received against share warrants			
2. Share Application Money Pending Allotment			
3. Non-Current Liabilities			
a) Long term borrowings			
b) Defered Tax Liabilities(Net)			
c) Other Long-Term Liabilities			
d) Long-Term Provisions			
4. Current Liabilities			
a) Short Term Borrowings			
b) Trade Payables			
c) Other Current Liabilities			
d) Short term Provisions			
Total			
ASSETS			
1. Non-Current Assets			
a. Fixed Assets			
i. Tangible Assets			
ii. Intangible Assets			
iii. Capital work-in-progress			
iv. Intangible Assets under Development			
b. Non-Current Investments			
c. Defered Tax Assets(Net)			
d. Long-Term Loans and Advances			
e. Other Non-Current Assets			
2. Current Assets			
a. Current Investments			

b. Inventories **c.** Trade Receivables **d.** Cash and Cas Equivalents **e.** Short-term Loans and Advances **f.** Other Current Assets			
Total			

अंशों का निर्गमन (Issue of Shares)

एक कम्पनी अंशों का निर्गमन (1) रोकड़ के अतिरिक्त किसी अन्य प्रतिफल के लिए; या (2) रोकड़ के लिए कर सकती है।

(1) रोकड़ के अतिरिक्त किसी अन्य प्रतिफल के लिए (Issue of Shares for Consideration Other Than Cash): जब किसी कम्पनी द्वारा किसी व्यवसाय अथवा सम्पति या सेवाओं के क्रय के बदले अंशों का निर्गमन किया जाता हैं तो यह रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल के बदले अंशों का निर्गमन कहलाता है।

(2) रोकड़ के लिए अंशों का निर्गमन(Issue of Shares for Cash): जब एक कम्पनी को अंशों में निर्गमन की राशि चैक, ड्राफ्ट या अन्य रूप से प्राप्त होती है तो यह रोकड़ के लिए अंशों का निर्गमन कहलाता है। अंशों के निर्गमन पर राशि का भुगतान दो प्रकार से हो सकता है:– **(i) आवेदन पर एकमुश्तः** जब अंशों के निर्गमन पर समस्त राशि आवेदन पत्र के साथ देय हो। **(ii) सम्पूर्ण राशि किस्तों में देय हो–**जब अंशों के निर्गमन की सम्पूर्ण राशि विभिन्न स्तरों पर यथा–आवेदन, आवन्टन तथा एक या अधिक मांगों पर देय हो।

सार्वजनिक कम्पनी अंशों का निर्गमन दो में से एक प्रकार से कर सकती है:–

(अ) सम मूल्य पर निर्गमन (Issue at Par)– जब अंशों को उनके अंकित मूल्य (Face or Nominal value) पर ही निर्गमित किया जाता है तो इसे सम मूल्य पर निर्गमन कहते हैं, जैसे एक कम्पनी द्वारा ₹ 10 वाले किसी अंश का निर्गमन ₹ 10 प्रति अंश पर ही करना।

(ब) प्रीमियम/प्रब्याजि पर निर्गमन(Issue at Premium)– जब अंशों को उनके अंकित मूल्य से अधिक मूल्य पर निर्गमित किया जाता है तो यह अंशों का प्रीमियम पर निर्गमन कहलाता है। जैसे एक कम्पनी द्वारा ₹ 10 वाले अंशों का निर्गमन ₹ 15 प्रति अंश की दर पर करना।

पूर्व में कम्पनियॉ अपने अंशों का निर्गमन बट्टे पर भी कर सकती थी लेकिन कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 53 के अनुसार "कोई भी कम्पनी अपने अंशों का बट्टे पर निर्गमन नहीं कर सकती। धारा–54 के अनुसार स्वेट समता अंश(Sweat Equity Shares) बट्टे पर निर्गमित किये जा सकते हैं।

अंश निर्गमन की प्रक्रिया (Procedure for Issue of Shares)

एक सार्वजनिक कम्पनी द्वारा अंशों का निर्गमन करने हेतु कम्पनी अधिनियम, 2013 तथा भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड(Securities and Exchange Board of India) द्वारा इस सम्बन्ध में जारी दिशा निर्देशों का पालन करना पड़ता है। अंशों के निर्गमन हेतु निम्न प्रक्रिया अपनायी जाती है:–

(1) प्रविवरण का निर्गमन (Issue of Prospectus)– अंश निर्गमन हेतु एक सार्वजनिक कम्पनी प्रविवरण का निर्गमन करती है। धारा 2(70) के अनुसार प्रविवरण एक लिखित सूचना, परिपत्र या अन्य प्रलेख होता है जो एक समामेलित संस्था की प्रतिभूतियों का क्रय या अभिदान करने हेतु जनता से प्रस्ताव आमन्त्रित करता है अर्थात् प्रविवरण जनता को कम्पनी की प्रतिभूति क्रय करने के लिए दिया जाने वाला आमंत्रण है। प्रविवरण में सामान्यतः कम्पनी का इतिहास, मुख्य उद्देश्य, वर्तमान व्यापार, परियोजना की जानकारी एवं प्रबन्ध आदि का विवरण दिया जाता है।

(2) अंशों के लिए आवेदन (Application for Shares)– प्रविवरण के आधार पर जो व्यक्ति कम्पनी के अंश खरीदना चाहते हैं वे निर्धारित आवेदन पत्र भरकर आवश्यक निर्धारित राशि के साथ कम्पनी के बैंक में जमा कराते हैं। आवेदन पत्र के साथ जो राशि जमा की जाती है उसे आवेदन राशि (Application Money) कहा जाता है। धारा 39(2) के अनुसार आवेदन पर प्रत्येक प्रतिभूति के अंकित मूल्य का कम से कम 5% राशि प्राप्त करना आवश्यक है या वह धनराशि जो सेबी(SEBI) द्वारा इस सम्बन्ध में कानून बनाकर निर्धारित की जाए, तदानुसार अंश आवेदन राशि अंश के निर्गमन मूल्य के 25% से कम नहीं होनी चाहिए।

(3) अंशों का आवन्टन (Allotment of Shares)– अंशों के आवन्टन से आशय अंशों का आवेदकों के मध्य बटंवारा करने से है। यह कार्य संचालक मण्डल द्वारा अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत किया जाता है। एक आवेदक को

अंश आवन्टित होने के उपरान्त ही वह अंशधारी बनता है। एक सार्वजनिक कम्पनी द्वारा निम्न प्रावधानों का पालन करने के उपरान्त ही अंशों का आबन्टन किया जा सकता है:–

(i) न्यूनतम अभिदान(Minimum Subscription)– धारा 39(1) के अनुसार कम्पनी द्वारा अपनी प्रतिभूतियों का आबन्टन तब तक नहीं किया जा सकता है जब तक कि प्रविवरण में वर्णित न्यूनतम राशि के लिए अभिदान प्राप्त न हो जाऐ। सेबी के निर्देशों के अनुसार कम्पनी अंशों का आवन्टन तब तक नहीं कर सकती जब तक कि उसे सम्पूर्ण निर्गमन के कम से कम 90% के बराबर अभिदान प्राप्त नहीं हो जाता है।

(ii) धारा 40(3) के अनुसार कम्पनी द्वारा जनता से प्रतिभूति के अभिदान हेतु आवेदन पर प्राप्त राशि को अनुसूचित बैंक में पृथक से खोले गये खाते में जमा रखना आवश्यक है।

(iii) न्यूनतम अभिदान राशि प्राप्त करने की अवधि– धारा 39(3) के अनुसार, यदि किसी कम्पनी को प्रविवरण निर्गमन की तिथि से 30 दिनों या सेबी (SEBI) द्वारा निर्धरित समय सीमा के अन्दर न्यूनतम राशि प्राप्त नहीं होती है तो कम्पनी को आवेदन पर प्राप्त धनराशि को निर्धारित समय में निर्धारित की गई विधि से लौटाना होगा। न्यूनतम अभिदान राशि की गणना के लिए अंशों की उन रकमों को शामिल नहीं किया जाएगा जो मुद्रा के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में देय हो।

(iv) स्टॉक एक्सचेंज को आवेदन– जनता को अंश निर्गमन से पूर्व एक कम्पनी को एक या अधिक मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में उन अंशों के लेन–देन की अनुमति हेतु आवेदन करना होगा। इन स्टॉक एक्सचेंज/एक्सचेंजों के नाम प्रविवरण में देना होगा, जहॉ ऐसा आवेदन किया गया हैं।

(v) आबंटन पत्र जारी करना (Dispatch of Allotment Letter)– जिन आवेदकों को अंशों का आवंटन किया गया है सचिव उन आवेदकों को आबंटन पत्र भेजता है। जिन आवेदकों को कोई अंश आवंटित नहीं किये गये हैं तो उन्हें खेद पत्र के साथ उनसे प्राप्त आवेदन राशि उचित माध्यम द्वारा वापस लौटा दी जाती हैं।

(vi) रजिस्ट्रार को आबन्टन रिटर्न भेजना (Filling Allotment Return to Registrar)– आवटंन कार्य पूर्ण हो जाने के बाद कम्पनी को आवन्टन के 30 दिनों के भीतर अथवा रजिस्ट्रार द्वारा बढ़ाई गई अवधि के भीतर कम्पनी रजिस्ट्रार के पास आवंटन रिटर्न भेजना होता है। इस रिटर्न के साथ ही कम्पनी सचिव या एक संचालक द्वारा इस आशय का घोषणा पत्र भी भेजा जाता है कि कम्पनी द्वारा आबन्टन सम्बन्धी समस्त वैधानिक आवश्यकताओं की पूर्ति कर ली गई है।

(vii) अंश प्रमाण पत्र (Share Certificate)– अंश प्रमाणपत्र उसमें निर्दिष्ट अंशों पर किसी सदस्य के अधिकार होने के मूल प्रमाण है। धारा 46(1) के अनुसार,''कम्पनी की सार्वमुद्रा के अधीन जारी किया गया प्रमाण पत्र इस बात का प्रथम दृष्टया साक्ष्य है कि उसमें लिखित अंशों का वह स्वामी है। ये प्रमाण पत्र अंशधारी के स्वामित्व का प्रथम दृष्टया साक्ष्य है। संयुक्त स्वामियों में से प्रथम नामित स्वामी को अंश प्रमाण पत्र की दी गई सुपुर्दगी सभी को सुपुर्दगी मानी जाती है।

(viii) प्रारम्भिक सार्वजनिक निर्गमन (Initial Public Offer or IPO)– अंशों के अभिदान हेतु जनता को आमन्त्रित करने हेतु किये गये प्रस्ताव को प्रारम्भिक सार्वजनिक निर्गमन प्रस्ताव कहा जाता है।

(4) अंशों पर मांग (Calls on Shares)– आवेदन पत्र के साथ एवं अंश आबटंन पर मांगी गई राशियों के पश्चात् यदि अंशों पर देय राशि का कुछ भाग शेष रहता है तो कम्पनी इस राशि को किस्तों में वसूल करती है। ऐसी प्रत्येक किस्त ''अंशों पर याचना/मांग'' कहलाती है। अंशों पर मांग कम्पनी के अन्तर्नियमों में दिये गये प्रावधानों के अनुरूप की जाती है। यदि किसी कम्पनी के अन्तर्नियम न हों या अन्तर्नियमों में इस सम्बन्ध में प्रावधान न हों तो उस पर कम्पनी अधिनियम, 2013 की सारणी–F के प्रावधान लागू होंगे, जो कि निम्न है:–

(i) दो मांगों के मध्य कम से कम एक माह का अन्तर होना आवश्यक है। **(ii)** किसी भी मांग की राशि अंशों के अंकित मूल्य के 25% से अधिक नहीं होगी। **(iii)** अंशधारकों को राशि चुकाने के लिए कम से कम 14 दिन पूर्व सूचना दी जायेगी। **(vi)** एक ही वर्ग के सभी अंशों पर मांग की राशि एक समान होनी चाहिए। **(v)** यदि कोई अंशधारी अंशों पर देय मांग की राशि का निर्धारित तिथि तक भुगतान नहीं करता है तो कम्पनी बकाया राशि पर भुगतान की देय तिथि से भुगतान की वास्तविक तिथि तक की अवधि पर 10% वार्षिक की दर से ब्याज वसूल कर सकती है।

कभी–कभी कुछ अंशधारी कम्पनी द्वारा न मांगी गई राशि को आबंटन या मांग राशि के साथ भेज देते है जो भविष्य को मांगों से सम्बन्धित होती है। यदि कम्पनी के अन्तर्नियमों मे वर्णित हो तथा संचालक मण्डल उचित समझे तो इस अग्रिम याचना राशि को स्वीकार कर सकता है इस अग्रिम प्राप्त राशि पर अग्रिम अवधि के लिए अधिकतम 12% वार्षिक की दर से ब्याज देय होगा।

अंशों के निर्गमन की प्रविष्टियाँ
(Journal Entries for Issue of Shares)

1. रोकड के अतिरिक्त किसी अन्य प्रतिफल के लिए अंशों का निर्गमन की दशा में किसी व्यवसाय, सम्पत्ति या सेवाओं को क्रय के बदले अंशों का निर्गमन किया जाता है तो निम्न प्रविष्टियाँ की जा सकती है –

i. किसी व्यापार अथवा सम्पति के क्रय करने पर –

Individual Assets A/c	Dr.	
To Vendor's A/c		

ii. विक्रेता को प्रतिफल के रूप में अंशों का निर्गमन करने पर

(i) यदि अंश सम मूल्य पर निर्गमित किये जाये–

Vendor's A/c	Dr.	
To Equity Share Capital A/c		

(ii) यदि अंश प्रीमियम पर निर्गमित किये जाये–

Vendor's A/c	Dr.	
To Equity share Capital A/c		
To Securities Premium A/c		

निर्गमित किये जाने वाले अंशों की संख्या की गणना = $\frac{\text{क्रय प्रतिफल / देय मूल्य}}{\text{प्रति अंश निर्गमन मूल्य}}$

iii. प्रवर्तकों को उनकी सेवाओं के प्रतिफलस्वरूप अंशों का निर्गमन–

Incorporation Expenses / Goodwill A/c	Dr.	
To Share Capital A/c		

2. रोकड के लिए अंशों का निर्गमन–

1. जब सम्पूर्ण धनराशि आवेदन पत्र के साथ एक मुश्त देय हो–

i. यदि अंश सम मूल्य पर निर्गमित किये जायें– आवेदन राशि प्राप्त होने पर –

Bank A/c	Dr.	
To Share Application & Allotment A/c		

–अंश आबन्टन करने पर

Share Application & Allotment A/c	Dr.	
To Share Capital A/c		

ii. यदि अंश प्रीमियम पर निर्गमित किये जायें–

– आवेदन राशि प्राप्त होने पर –

Bank A/c	Dr.	
To Share Application & Allotment A/c		

–अंश आबन्टन करने पर

Share Application & Allotment A/c	Dr.	
To Share Capital A/c		
To Securities Premium A/c		

2. जब सम्पूर्ण धनराशि किस्तों में देय हो–

i. आवेदन राशि प्राप्त होने पर

Bank A/c	Dr.(आवेदन पर प्राप्त कुल राशि से)	
To Share Application A/c		

ii. आवेदन की राशि पूँजी में अन्तरण करने पर–(अधि–अभिदान(Over subscription) की दशा में निर्गमित किये जाने वाले अंशों पर देय आवेदन राशि से तथा अन्य की दशा में वास्तविक प्राप्त आवेदन राशि से)

Share Application A/c Dr.
To Share Capital A/c

iii. आबन्टन की राशि देय होने पर–

1. सम मूल्य पर निर्गमन की दशा में –

Share Allotment A/c Dr.
To Share Capital A/c

2. प्रीमियम पर निर्गमन की दशा में–

Share Allotment A/c Dr.
To Share Capital A/c
To Securities Premium A/c

iv. अधि अभिदान की दशा में आवेदन पर प्राप्त आधिक्य राशि का बंटन पर समायोजन करने पर

Share Application A/c Dr.
To Share Allotment A/c

v. आवेदन पर प्राप्त आधिक्य राशि लौटाने पर– (जिन आवेदकों को बंटन से मना कर दिया गया हो या आवेदन पर राशि अधिक प्राप्त हो गयी हो)

Share Application A/c Dr.
To Bank A/c

vi. आबन्टन राशि प्राप्त होने पर

Bank A/c Dr.
To Share Allotment A/c

vii. प्रथम मांग की राशि देय होने पर

Share First Call A/c Dr. (आवंटित अंश x प्रति अंश मांग)
To Share Capital A/c

viii. प्रथम मांग की राशि प्राप्त होने पर

Bank A/c Dr. (वास्तविक प्राप्त राशि)
To Share First call A/c

ix. द्वितीय/अंतिम मांग की राशि देय होने पर

Second/Final Call A/c Dr. (आवंटित अंशों पर मांगी गई राशि से)
To Share Capital A/c

x. द्वितीय/अंतिम मांग की राशि प्राप्त होने पर

Bank A/c Dr. (वास्तविक प्राप्त राशि से)
To Share Second/Final Call A/c

xi. किसी अंशधारी से उसके द्वारा धारित अंशों पर अग्रिम मांग प्राप्त होने परः

Bank A/c Dr. (अग्रिम प्राप्त राशि से)
To Calls-in-Advance A/c

नोटः यह राशि आबंटन या जिस मांग के साथ प्राप्त हो तो उस समय बैंक की प्रविष्टि के साथ की जा सकती है। **उपरोक्त अग्रिम मांग समायोजन करने पर** : जब यह मांग वास्तव में की जाती हैं तो उक्त मांग की राशि जब अन्य अंशधारियों से प्राप्त होती हैं तब की जाने वाली बैंक प्रविष्टि में उक्त अग्रिम मांग राशि खाता डेबिट कर दिया जाता हैं। इस प्रकार उक्त खाता बन्द हो जाता है।

xii. अग्रिम प्राप्त मांग पर ब्याजः अग्रिम मांग प्राप्त होने की तिथि से देय तिथि तक की अवधि पर ब्याज के लिए यदि सारिणी F लागू होती है तो अधिकतम 12% वार्षिक दर से ब्याज देय होगा अन्यथा यह दर संचालक मण्डल द्वारा भी निर्धारित की जा सकती हैं, जो 12% वार्षिक से अधिक नहीं हो सकती हैं। यदि ब्याज का भुगतान नगद किया है तो प्रविष्टि होगीः

Interest on Calls-in-Advance A/c Dr.
To Bank A/c

उक्त राशि को वर्ष के अन्त में लाभ हानि खाते में डेबिट कर इसे बन्द कर देंगे।

xiii. बकाया मांग: सामान्यतया इसके लिए कोई पृथक से प्रविष्टि नहीं की जाती हैं फिर भी यदि प्रश्न में स्पष्ट निर्देश हो तो निम्नांकित प्रविष्टियां होगी:

(i) बकाया मांग राशि के लिए: Call-in-Arrears A/c Dr.
To Share Allotment or Share Call A/c

नोट: उक्त प्रविष्टि सम्बन्धित मांग की प्रविष्टि के साथ सयुंक्त प्रविष्टि के रूप में भी की जा सकती है।

(ii) बकाया राशि प्राप्त होने पर: Bank A/c Dr.
To Calls-in-Arrears A/c

xiv. बकाया मांग पर ब्याज: भुगतान देय तिथि से वास्तविक भुगतान तिथि तक की अवधि का ब्याज सारणी F के अनुसार 10% वार्षिक दर से या इससे कम दर से, जो बोर्ड निर्धारित करे लिया जाता है। उक्त ब्याज प्राप्त होने पर प्रविष्टि होगी: Bank A/c Dr.
To Interest on Calls-in-Arrears A/c

नोट: उक्त ब्याज राशि वर्ष के अन्त में लाभ हानि खाते में क्रेडिट कर ब्याज खाता बन्द कर दिया जायेगा।

उदाहरण-1: xyz लि0 ने बीकानेर लि0 से मशीनरी ₹ 600000 में खरीदी और भुगतान में xyz लि0 ने ₹ 10 वाले पूर्णदत्त समता अंश निर्गमित किये। xyz लि0 की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियॉ दीजिये, यदि अंशों का निर्गमन (1) सम मूल्य पर (2) 20% प्रीमियम पर किया जावे।

xyz Ltd. purchased a machine worth ₹ 6,00,000 from Bikaner Ltd. and issued Equity Shares of ₹ 10 each, fully paid in satisfaction of payment. Give the journal entries in the books of xyz Ltd., if shares are issued **(i)** at par, **(ii)** at 20% premium.

हल : **In the Books of XYZ Ltd. Journal Entries**

Date	Particulars	L.F.	Amount Dr. (₹)	Amount Cr. (₹)
Date of Purchase	Machinery A/c Dr.		6,00,000	
	To Bikaner Ltd.			6,00,000
	(Being machinery purchased from Bikaner Ltd.)			
Date of Allotment	(i)यदि अंशों का निर्गमन सम मूल्य पर हो–			
	Bikaner Ltd. Dr.		6,00,000	
	To Equity share capital A/c			6,00,000
	(Being 60000 equity shares of ₹10 each fully paid issued to Bikaner Ltd.)			
	(ii) यदि अंशों का निर्गमन 20% प्रीमियम पर हो–			
	Bikaner Ltd. A/c Dr.		6,00,000	
	To Equity Share Capital A/c			5,00,000
	To Securities Premium A/c			1,00,000
	(Being 50000 equity shares of ₹10 each issued at a premium of 20%)			

Working Note: 20% प्रीमियम पर अंश निर्गमन की दशा में, निर्गमित किये जाने वाले अंशों की संख्या $= \frac{Amount\ Payable}{Issue\ Price\ of\ share} = \frac{600000}{10+(20\%of\ 10)} = \frac{600000}{12} = 50000$ अंश

उदाहरण 2: 1 अप्रैल 2016 को गामा लि0 ने ₹100 वाले 2000 समता अंश सम मूल्य पर जनता में निर्गमित किये। सम्पूर्ण राशि आवेदन पर देय थी। सभी अंशों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए। आवेदन की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल, 2016 थी। अंशों का आबन्टन 15 मई 2016 को किया गया। गामा लि0 की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियॉ दीजिये।

Gama Ltd. issued 2,000 equity shares of ₹100 each at par to public on 01 April, 2016. Whole amount was payable at the time of application. Applications were received for all shares. Last date

of application was 30 April, 2016. Allotment of the shares was made on 15 May, 2016. Give necessary journal entries in the books of Gama Ltd.

हल: **In the Book of Gama Ltd.**

Journal Entries

Date	Particulars	L.F.	Amount Dr. ₹	Amount Cr. ₹
2016	Bank A/c Dr.		2,00,000	
April 30	To Equity Share Application & Allotment A/c			
	(Being application money received for 2000 shares of ₹ 100 each)			2,00,000
May, 15	Equity Share Application & Allotment A/c Dr.			
	To Equity Share Capital A/c		2,00,000	
	(Being application money transferred to equity share capital a/c)			2,00,000

उदाहरण 3: जयपुर लि0 ने ₹10 वाले 20000 समता अंश सम मूल्य पर निर्गमित किये जो कि आवेदन पत्र पर ₹ 3, बंटन पर ₹ 4 तथा शेष राशि मांग पर देय थी। सभी अंश बिक गये तथा यथा समय भुगतान प्राप्त हो गया। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियॉ दीजिये।

Jaipur Ltd. issued 20000 equity shares of ₹10 each at par payable at ₹ 3 on application, ₹4 on allotment and the balance on call, all the shares were taken up and all the payments were duly received. Give necessary journal entries.

हल : **In the Book of Jaipur Ltd. Journal Entries**

Date	Particulars	L.F.	Amount Dr. ₹	Amount Cr. ₹
	Bank A/c Dr.		60,000	
	To Equity Share Application A/c			60,000
	(Being application money received for 20000 equity shares of ₹3 each)			
	Equity Share Application A/c Dr.			
	To Equity Share Capital A/c		60,000	
	(Being application money transferred to equity share capital a/c)			60,000
	Equity Share Allotment A/c Dr.		80,000	
	To Equity Share Capital A/c			80,000
	(Being allotment money due on 20,000 shares of ₹ 4 each)			
	Bank A/c Dr.		80,000	
	To Equity Share Allotment A/c			80,000
	(Being allotment money received)			
	Equity Share First & Final Call A/c Dr.		60,000	
	To Equity Share Capital A/c			60,000
	(Being First and final call money due on 20000 equity shares of ₹ 3 each)			
	Bank A/c Dr.		60,000	
	To Equity Share First & Final Call A/c			60,000
	(Being Equity share first & final call money received)			

प्रीमियम पर अंशों का निर्गमन
(Issue of Shares at Premium)

जब अंशों को उनके अंकित मूल्य से अधिक पर निर्गमित किया जाता है यह प्रीमियम पर अंशों का निर्गमन कहलाता है। जैसे ₹ 10 वाले समता अंशों का निर्गमन ₹14 प्रति अंश की दर पर करना। यहाँ (14–10)=₹4 प्रति अंश प्रीमियम कहा जायेगा।

प्रीमियम का लेखा आवेदन, बंटन या मांग किसी भी स्तर पर किया जा सकता है तथापि सूचना के अभाव में प्रीमियम का लेखा बंटन स्तर पर किया जाता है। प्रतिभूति प्रीमियम कम्पनी के लिए पूँजीगत लाभ है। इसे चिटठे के "समता एवं दायित्व भाग" में 'अंशधारियों के कोष' शीर्षक के 'संचय एवं आधिक्य' उप शीर्षक में प्रतिभूति प्रीमियम संचय के रूप में दर्शाया जाता है।

प्रतिभूति प्रीमियम का उपयोग (Utilization of Securities Premium): भारतीय कम्पनी अधिनियम की धारा 52(1) के अनुसार,प्रतिभूतियों के निर्गमन पर प्राप्त प्रीमियम की राशि को प्रतिभूति प्रीमियम खाते में जमा किया जाता है। धारा 52(2) के अनुसार प्रतिभूति प्रीमियम का प्रयोग निम्न कार्यो में किया जा सकता है–

i. सदस्यों को पूर्ण प्रदत्त बोनस अंश निर्गमित करने के लिए, **ii.** कम्पनी के प्रारम्भिक व्ययों(Preliminary Expenses) को अपलिखित करने में, **iii.** अंशों या ऋणपत्रों के निर्गमन व्यय या दिये गये कमीशन या ऋणपत्रों पर दिये गये बटटे को अपलिखित करने में, **iv.** कम्पनी के किसी भी शोधनीय पूर्वाधिकार अंशों या ऋणपत्रों के शोधन पर देय प्रीमियम का प्रबन्ध करने में, **v.** अपने अंशों के क्रय करने (buy-back) में

अंशों का न्यून–अभिदान(Under Subscription of Shares):– जब एक कम्पनी को प्रस्तावित अंशों की तुलना में कम अंशों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो उसे अल्प या न्यून अभिदान कहा जाता है। इस दशा में न्यूनतम अभिदान के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए, सामान्यतः प्रत्येक को आवेदित अंशों के बराबर अंश बंटित कर दिये जाते हैं।

अंशों का अधि–अभिदान(Over Subscription of Shares):– जब एक कम्पनी को प्रस्तावित अंशों की तुलना में अधिक अंश खरीदने के लिए आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो यह स्थिति अधि–अभिदान कहलाती हैं। कोई भी कम्पनी निर्गमित अंशों से अधिक अंशों का बन्टन नहीं कर सकती हैं। अधि–अभिदान की स्थिति में एक कम्पनी निम्न तीन विकल्पों में से किसी एक विकल्प के आधार पर अंशों का आबन्टन कर सकती है:–

(i) कुछ आवेदकों को पूर्ण अंश आबन्टित करना तथा ऐसे आवेदक जिन्हें कोई भी अंश आबन्टित नहीं किये हैं, उनकी आवेदन पर प्राप्त राशि को लौटा दिया जाता हैं। **(ii)** समस्त आवेदकों को आनुपातिक आधार पर अंशों का बंटन करना। **(iii)** कुछ को पूर्ण तथा कुछ को आनुपातिक आधार पर अंश आबंटित करना।

आनुपातिक आधार पर बंटन(Pro-rata Allotment): आनुपातिक आधार पर बंटन से आशय उस वर्ग के कुल आवेदकों को बंटित किये गये कुल अंशों का उस वर्ग के कुल आवेदनों के अनुपात से है। माना कि R Ltd. ने 10,000 अंश जनता को निर्गमित किये। कुल 15000 अंशों के आवेदन पत्र प्राप्त हुए। यह निर्णय किया गया कि सभी आवेदकों को आनुपातिक बन्टन किया जाये अर्थात 15000 अंशों के आवेदकों को कुल 10000 अंश बंटित किये जायेंगे। आवेदन व आबंटन अनुपात 15000 : 10000 अर्थात 3 : 2 होगा। प्रत्येक 3 अंशों के आवेदक को 2 अंश बन्टित किये जाऐंगे।

आवेदन पर प्राप्त आधिक्य राशि: आनुपातिक आधार पर आबन्टन की दशा में आवेदन पत्र के साथ चुकाई गई आधिक्य राशि का प्रयोग, एक सूचीबद्ध कम्पनी द्वारा स्टॉक एक्सचेंज की अनुमति प्राप्त कर, आबन्टन तथा याचना पर किया जा सकता हैं।

एक गैर सूचीबद्ध कम्पनी आवेदन पर प्राप्त अधिक्य राशि का प्रयोग आबन्टन तथा याचना राशि के समायोजन में कर सकती है। यदि प्रश्न में स्पष्ट उल्लेख न हो तो आवेदन पर प्राप्त अधिक्य राशि में से बंटन पर देय राशि के समायोजन के उपरान्त शेष धनराशि अंशधारियों को वापिस लौटा दी जानी चाहिए।

उदाहरण 4: सार्थक लि0 ने ₹ 10 वाले 10,000 समता अंश जनता को निर्गमित किये। 15,000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। राशि का भुगतान क्रमशः आवेदन पर 3₹, बंटन पर ₹3, प्रथम मांग पर ₹2 तथा अंतिम मांग पर ₹2 देय था। 14000 अंशों के आवेदकों को यथानुपात बंटन किया गया तथा शेष आवेदकों को राशि लौटा दी गई। आवेदन पर प्राप्त आधिक्य राशि का उपयोग बंटन राशि के समायोजन में किया गया। सभी राशियॉ यथा समय प्राप्त हो गयी। कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियॉ दीजिए।

Sarthak Ltd. issued 10,000 equity shares of Rs 10 each to public. Application were received for 15000 shares. Amount was payable as follows: On Application ₹3, on Allotment ₹3, on First Call

₹2 and on Second and final call ₹2. Applicants of 14000 shares were made pro-rata allotment and amount of remaining applicants were refunded. Excess application money was utilized to adjust allotment. All the amount was received in time. Give Journal entries in the books of company.

हल:–

Analytical Table

Category	Shares Applied	Shares Alloted	Amount Received (₹)	Application money transferred (₹)	Excess Application Money (₹)	Allotment Due@ ₹ 3 (₹)	Net Amt. Received (₹)	First Call ₹2 (₹)	Second & Final Call @ ₹2
Pro-rata	14,000	10,000	42,000	30,000	12,000	30,000	18,000	20,000	20,000
Refund	1000	-	3000	(Returned)	-	-	-	-	-

Journal Entries

Date	Particulars	L.F.	Amount Dr. ₹	Amount Cr. ₹
	Bank A/c Dr.		45,000	
	To Equity Share Application A/c			45,000
	(Being application money received on 15000 Shares @ ₹3 each)			
	Equity Share Application A/c Dr.		30,000	
	To Equity Share Capital A/c			30,0000
	(Being application money transferred of 10,000 Shares to Capital A/c)			
	Equity Share Application A/c Dr.		3,000	
	To Bank A/c			3,000
	(Being excess application money of 1000 shares refunded)			
	Equity Share Allotment A/c Dr.		30,000	
	To Equity Share Capital A/c			30,000
	(Being Allotment money due on 10000 shares @ ₹ 3 each)			
	Bank A/c Dr.		18,000	
	Equity Share Application A/c Dr.		12,000	
	To Equity Share Allotment A/c			30,000
	(Being amount received for allotment and balance of application money adjusted on Allotment)			
	Equity Share First Call A/c Dr.		20,000	
	To Equity Share Capital A/c			20,000
	(Being First Call money due @ ₹ 2 each)			
	Bank A/c Dr.		20,000	
	To Equity Share First Call A/c			20,000
	(Being First Call money received)			
	Equity Share Second & Final Call A/c Dr.		20,000	
	To Equity Share Capital A/c			20,000
	(Being Second & Final Call money due @ ₹ 2 each)			
	Bank A/c Dr.		20,000	
	To Equity Share Second & Final Call A/c			20,000
	(Being Second & Final Call money received)			

उदाहरण 5: सनसाइन लि0 की पूँजी ₹ 100 वाले 5000 अंशों में विभाजित थी। कम्पनी ने ₹100 वाले 2000 अंश ₹10 प्रति अंश प्रीमियम पर निर्गमित किये। अंशों पर भुगतान इस प्रकार देय था– आवेदन पर ₹30, आंबटन पर(प्रीमियम सहित) ₹40, प्रथम मांग पर ₹20 तथा शेष राशि आवश्यकता पड़ने पर। राम के पास 30 अंश थे, उसने प्रथम मांग के साथ सम्पूर्ण रकम भी चुका दी। रहीम जिसके पास 20 अंश थे, प्रथम याचना का भुगतान करने में असमर्थ रहा। सनसाइन लि0 की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियॉ दीजिये तथा इन मदों को चिट्ठे में बताइये। यह मानिये कि सभी अंशों के लिए अभिदान प्राप्त हुआ।

The capital of Sunshine Ltd. was divided into 5,000 shares of ₹100 each. The Company issued 2,000 Shares of ₹100 each at a premium of ₹10 per share, payable as follows: On application ₹30; On Allotment(including premium) ₹40; On First Call ₹20 and balance as and when required. Ram holds 30 shares, has paid all the amount along with first call. Rahim holds 20 shares failed to pay first call. Pass journal entries in the books of the Company and show these items in the Balance Sheet. Assume all shares were subscribed.

हल: **Journal Entries**

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr. ₹	Amount Cr. ₹
	Bank A/c Dr.		60,000	
	To Share Application A/c			60,000
	(Being application money received on 2000 shares @ ₹30 each)			
	Share Application A/c Dr.		60,000	
	To Share Capital A/c			60,000
	(Being application money transfer to Share Capital A/c)			
	Share Allotment A/c Dr.		80,000	
	To Share Capital A/c			60,000
	To Securities Premium A/c			20,000
	(Being allotment due @ ₹40 each including ₹10 premium)			
	Bank A/c Dr.		80,000	
	To Share Allotment A/c			80,000
	(Being allotment money received)			
	Share First Call A/c Dr.		40,000	
	To Share Capital A/c			40,000
	(Being Share First Call due @ ₹20 each)			
	Bank A/c Dr.		40,200	
	To Share First Call A/c			39,600
	To Calls-in-Advance A/c			600
	(Being First call amount received from 1980 shares @ ₹20 each and ₹20 each on 30 shares received in advance)			

नोट: First call amount received=(2000-20) x ₹20 = ₹39,600; Calls in advance on 30 shares of Ram @ ₹20 = ₹600

Name of the Company: Sunshine Ltd.

Balance Sheet as at_ _ _ _ _ _ _ _ _

Particulars	Note No.	Figures for the current year (₹)	Figures for the Previous year (₹)
I. Equity and Liabilities			
1. Share holders Fund:			
(a) Share Capital	1	1,59,600	
(b) Reserves and Surplus	2	20,000	

4. Current Liabilities				
(c) Other Current Liabilities		3	600	
	Total		**1,80,200**	
II. Assets				
2. Current Assets				
(d) Cash and Cash Equivalents			1,80,200	
	Total		**1,80,200**	

Notes to Accounts:		
1. Share Capital:		
Authorised Capital:		
5000 Equity Shares of ₹100 each.		5,00,000
Issued, Subscribed and Paid up Capital:		
2,000 Equity Shares of ₹100 each and ₹80 per share called up	1,60,00	
Less: Calls-in-arrears (20 x 20)	400	1,59,600
2. Reserves & Surplus:		
Securities Premium		20,000
3. Other Current Liabilities:		
Calls-in-Advance		600

उदाहरण 6: के.एस. लि0 ने 15 अप्रैल, 2016 को ₹100 वाले 1,50,000 समता अंश ₹25 प्रति अंश प्रीमियम पर निर्गमित किए। भुगतान इस प्रकार देय था: आवेदन पर ₹50, आबन्टन पर ₹50 (प्रीमियम सहित) तथा प्रथम व अंतिम मांग पर ₹25। कम्पनी के पास 1,40,000 अंशों के लिए आवेदन पत्र आये। 1 जून 2016 को संचालकों ने सभी आवेदकों को पूर्ण आबन्टन कर दिया। आबन्टन राशि के भुगतान की अन्तिम तिथि 30 जून 2016 निर्धारित की। प्रथम मांग की तिथि 1 अक्टूबर, 2016 थी, जिसका भुगतान 20 अक्टूबर, 2016 तक किया जा सकता था। निम्न के अतिरिक्त समस्त राशियॉ देय तिथि पर प्राप्त हुई: महेश जो 1000 अंशों का धारक हैं आबन्टन राशि का समय पर भुगतान नहीं कर सका किन्तु इसका भुगतान उसने प्रथम मांग के साथ कर दिया। रमा ने जिसके पास 800 अंश हैं, प्रथम मांग राशि आबन्टन के साथ ही दे दी। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियॉ दीजिए। ब्याज का भुगतान एवं वसूली सारणी–F के अनुसार करना है।

K.S. Ltd. issued 1,50,000 equity shares of ₹100 each at a premium of ₹ 25 per share on 15th April 2016, payable as follows: on Application ₹50, on Allotment ₹50(including premium) and on first and final call ₹25. Applications were received for 1,40,000 shares by the company. On 1st June, 2016 the Directors made full allotment to the applicants. The last date for allotment money was 30th June, 2016. First and final call was made on 01st October, 2016 and payable up to 20th October, 2016. All the amounts due were received on due dates except in the following cases: Mahesh holds 1000 shares failed to pay allotment money on due dates but paid this amount with the first & final call. Rama holds 800 shares, has paid first & final call money along with allotment money. Pass necessary Journal entries. Interest was charged and paid according to table-F.

Journal Entries

Date	Particulars	L.F.	Amount Dr. ₹	Amount Cr. ₹
2016 April, 15	Bank A/c Dr. To Equity share application A/c (Being Application money received for 1,40,000 Shares @ ₹50 each)		70,00,000	70,00,000

June,1	Equity Share Application A/c Dr.		70,00,000	
	To Equity Share Capital A/c			70,00,000
	(Being Application money transfered to Share Capital)			
June,1	Equity Share Allotment A/c Dr.		70,00,000	
	To Equity Share Capital A/c			35,00,000
	To Securities Premium A/c			35,00,000
	(Being Equity Share allotment money due on 140000 shares @ ₹50 each including ₹25 premium)			
June, 30	Bank A/c Dr.		69,70,000	
	To Equity Share Allotment A/c			69,50,000
	To Calls-in-Advance A/c			20,000
	(Being Allotment money received on 1,39,000 Shares and calls-in-Advance received 800 shares @ ₹25 each)			
Oct., 1	Equity Share First & Final Call A/c Dr.		35,00,000	
	To Equity Share Capital A/c			35,00,000
	(Being First and Final Call due on 140000 Shares @ ₹25 each)			
Oct., 1	Interest on Calls-in-Advance A/c Dr.		600	
	To Bank A/c			600
	(Interest on calls-in-Advance paid for 3 months)			
Oct., 20	Bank A/c Dr.		35,30,000	
	Calls in Advance A/c Dr.		20,000	
	To Equity Share First & Final Call A/c			35,00,000
	To Equity Share Allotment A/c			50,000
	(First & Final Call money and arrear of Allotment money received and calls-in-advance adjusted)			
Oct., 20	Bank A/c Dr.		1534	
	To Interest on calls-in-Arrear A/c			1534
	(Being Interest on calls in arrear received)			

कार्यशील टिप्पणीः— 1. अग्रिम मांग पर ब्याज की गणना (30 जून से 01 अक्टूबर)= $20{,}000 \times \frac{12}{100} \times \frac{3}{12}$ =₹600

2. बकाया मांग पर ब्याज की गणना(30 जून से 20 अक्टूबर तक)= $50{,}000 \times \frac{112}{365} \times \frac{10}{100}$ =₹1,534

उदाहरण 7: चिण्टू एण्ड कम्पनी लि0 ने ₹10 वाले 1000 समता अंश निर्गमित करने के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये। राशियॉ आवेदन पर, बंटन पर, प्रथम मांग, द्वितीय एवं अंतिम मांग पर समान रूप से देय थी। 2000 अंशों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए जिसमें से 200 अपूर्ण आवेदन पत्र रद्द कर दिये गये और उनकी राशि लौटा दी गई। मिन्टू को, जिसने 300 अंशों के लिए आवेदन किया था केवल 100 अंश बंटित किये गये। इसने केवल आवेदन राशि ही चुकायी। चिन्टू जिसने 500 अंशों के लिए आवेदन किया था, को भी 100 अंश बंटित किये गये। शेष आवेदनकर्ताओं को यथानुपात आधार पर अंश आबन्टन किये गये। आवेदन राशि को अन्तिम मांग तक काम ले सकते हैं। कम्पनी की मुख्य जर्नल एवं रोकड़ बही में प्रविष्टियॉ कीजिये।

Chintu and Company Ltd. invited applications to issue 1000 Equity shares of ₹10 each. Amount was payable on application, on allotment, on first call and on second & final call in equal. Applications were received for 2000 shares out of which 200 applications were incomplete and rejected and amount of them was refunded. Mintu, who applied for 300 shares has allotted 100 shares only. He paid application money only. Chintu, who applied for 500 shares, was allotted 100 shares also. Remaining applicants were allotted shares on pro-rata basis. Application money can be utilized till final call. Give Journal in Journal Proper and Cash book.(RBSE-2001)

हलः रोकड़ बही एवं मुख्य जर्नल में प्रविष्टियॉ देनी हैं। अतः रोकड़ व्यवहारों की प्रविष्टियॉ रोकड़ पुस्तक में की जाएगी तथा शेष प्रविष्टियॉ मुख्य जर्नल में होगी।

Journal Entries

Date	Particulars	L.F.	Amount Dr. ₹	Amount Cr. ₹
Date of Allotment	Equity Share Application A/c Dr. To Equity Share Capital A/c (Being Allotment money for 1000 shares transfered)		2500	2500
Date of Allotment	Equity Share Allotment A/c Dr. To Equity Share Capital A/c (Being Allotment Money due on 1000 Shares @ ₹25 Rs)		2500	2500
Date of Transfer	Equity Share Application A/c Dr. To Equity Share Allotment A/c To Calls-in-Advance A/c (Being Application money adjusted and balance transfered to calls-in-advance)		1750	1000 750
Date of Calls	Equity Share First Call A/c Dr. To Equity Share Capital A/c (Being first call money due on 1000 shares @ ₹25 each)		2500	2500
Date of Adjust-ment	Calls-in-Advance A/c Dr. To Equity Share First Call A/c (Being calls-in-Advance adjusted against First call)		500	500
Date of Calls	Equity Share Second Call and Final Call A/c Dr. To Equity Share Capital A/c (Being second call money due)		2500	2500
Date of Adjust-ment	Calls-in-Advance A/c Dr. To Equity Share Second and Final Call A/c (Being calls in Advance adjusted against Second and Final call)		500	500

Dr. **Cash Book** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount (₹)	Date	Particulars	J. F.	Amount (₹)
Date of Application	To Equity Share Application A/c		5,000	Date of Refund	By Equity Share Application A/c		750
Date of Receipt	To Equity Share Allotment A/c		1,500	At the End	By Balance c/d		9,750
Date of F.C. Receipt	To Equity Share First Call A/c		2,000				
Date of Second Call Receipt	To Equity Share Second Call A/c		2,000				
			10,500				**10,500**

Working Note:- (i) यथानुपात बंटन वर्ग की आवेदन पत्र संख्या =2000–200(निरस्त)–500–300=1000; **(ii)** यथानुपात बंटन वर्ग की बंटित अंश संख्या =1000–100–100=800 shares; **(iii)** 500 अंशों के आवेदकों को 100 अंश ही देय है। अतः उनके वापसी योग्य आवेदन राशि (500 x 2.5)-(100 x 10) = ₹1250 – ₹1000=₹250. **(iv)** कुल वापसी योग्य आवेदन राशि =[200(Rejected) x 2.5] + ₹250 = ₹750.

उदाहरण 8: निम्नलिखित विवरण आर0एस0लि0 के समता अंश निर्गमन से सम्बन्धित है। प्रति अंश राशि इस प्रकार देय थी: आवेदन पर ₹3, बंटन पर ₹4 एवं शेष राशि मांग पर। 3,00,000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुये। श्रेणीवार आबन्टन निम्न प्रकार किया गया:–

(अ) 5,000 अंशों के आवेदकों को 3,000 अंशों का आबन्टन।

(ब) 1,07,000 अंशों के आवेदकों को 50,000 अंशों का आबन्टन।

(स) 1,88,000 अंशों के आवेदकों को 47,000 अंशों का आबन्टन।

आवेदन पर प्राप्त आधिक्य राशि का उपयोग बंटन व मांग पर किया जायेगा,इसके अतिरिक्त आधिक्य राशि बेचने पर उसे लौटा दिया जायेगा। आर0 एस0 लि0 की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये तथा रोकड़ बही बनाइये।

The following particulars are related to issue of equity shares of RS Ltd.. The amount per share was payable as: on application ₹3, on allotment ₹4 and balance on call. Applications were received for 3,00,000 equity shares. Categorywise allotment was made as follows:

(a) Applicants of 5,000 shares were allotted 3,000 shares.

(b) Applicants of 1,07,000 shares were allotted 50,000 shares.

(c) Applicants of 1,88,000 shares were allotted 47,000 shares.

The excess money received on application was applied towards allotment and call money and balance left was returned.

Give necessary Journal entries in the books of RS Ltd. and prepare Cash Book.

हल:

				Adjusted towards			
Category	**Shares Applied**	**Shares Alloted**	**Amount Received @₹3 per share (₹)**	**Share Application @ ₹3 per share (₹)**	**Share Allotment @ ₹4 per share (₹)**	**Share Call @ ₹3 per share (Call-in-Advance)(₹)**	**Refund**
A	5000	3000	15000	9000	6000	-	-
B	107000	50000	321000	150000	171000	-	-
C	188000	47000	564000	141000	188000	141000	94000
Total	300000	100000	900000	300000	365000	141000	94000

Amount Received on Allotment = (1,00,000 x ₹ 4) - 3,65,000 = ₹ 35,000

Amount Received on Call = (1,00,000 x ₹ 3) - 1,41,000 = ₹ 1,59,000

Journal of RS Ltd.

Date	**Particulars**	**L. F.**	**Debit (₹)**	**Credit (₹)**
Date of Allotment	Equity Share Application A/c Dr.		3,00,000	
	To Equity Share Capital A/c			3,00,000
	(Being application money on 1,00,000 shares @ ₹ 3 each transferred to equity share capital a/c)			
Date of Allotment	Equity Share Allotment A/c Dr.		4,00,000	
	To Equity Share Capital A/c			4,00,000
	(Being allotment money due @ ₹4 per share)			
Date of Allotment	Equity Share Applicaion A/c Dr.		5,06,000	
	To Equity Share Allotment A/c			3,65,000
	To Calls-in-Advance A/c			1,41,000
	(Being application money transferred to allotment a/c and to calls in advance a/c)			
Date of First & Final Call	Equity Share First and Final Call A/c Dr.		3,00,000	
	To Equity Share Capital A/c			3,00,000
	(Being equity share first and final call due @ ₹3 per share)			
Date of First & Final Call	Calls-in-Advance A/c Dr.		1,41,000	
	To Equity Share First and Final Call A/c			1,41,000
	(Being calls-in-advance adjusted on equity share first and final call)			

Dr. **Cash Book(Bank Column)** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
Date of Receipt	To Equity Share Application A/c		9,00,000	Date of Refund	By Equity Share Application A/c		94,000
Date of Allotment Receipt	To Equity Share Allotment A/c		35,000	At the end	By Balance c/d		10,00,000
Date of call Receipt	To Equity Share first and final call A/c		1,59,000				
			10,94,000				10,94,000

स्वेट समता अंशों का निर्गमन (Issue of Sweat Equity Shares):-

कम्पनी अधिनियम 2013, की धारा 2(88) के अनुसार स्वेट समता अंशों से आशय ऐसे समता अंशों से हैं जो किसी कम्पनी द्वारा अपने संचालकों या कर्मचारियों को बट्टे पर या रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल के लिए, तकनीकी जानकारी देने या बौद्विक सम्पदा अधिकारों (Intellectual Property Rights) की प्रकृति के अधिकार उपलब्ध कराने या उपयोगिता वृद्धि करने के लिए जारी किये जाते हैं। कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 54 में उन शर्तों का उल्लेख है जिनके पूर्ण होने पर एक कम्पनी स्वेट समता अंशों का निर्गमन कर सकती है, जो कि निम्न हैं:– **(अ)** निर्गमन कम्पनी द्वारा विशेष प्रस्ताव पारित कर अधिकृत किया जाता हो। **(ब)** विशेष प्रस्ताव में अंशों की संख्या, वर्तमान बाजार मूल्य, प्रतिफल यदि कोई हो तथा संचालकों या कर्मचारियों के वर्ग जिनको ऐसे अंश निर्गमित किये जाने हैं, का उल्लेख होना चाहिए।**(स)** स्वेट समता अंशों के निर्गमन की तिथि को कम्पनी को व्यवसाय प्रारम्भ करने का अधिकार प्राप्त हुए कम से कम एक वर्ष पूर्ण हो जाना चाहिए। **(द)** यदि कम्पनी के अंश किसी मान्यता प्राप्त स्कंध विपणी पर सूचीबद्ध हो तो स्वेट समता अंशों का निर्गमन सेबी (SEBI) द्वारा इस सम्बंध में बनाये नियमों के अनुसार ही करना चाहिए।

अधिकार अंश (Right Shares):- कभी– कभी एक कम्पनी को अपने व्यवसाय में वृद्धि या अन्य कारण से अधिक वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होती हैं। ऐसी स्थिति में कम्पनी अपनी सम्पूर्ण अनिर्गमित अंश पूँजी या उसके एक भाग को निर्गमित कर सकती है तथा आवश्यक वित्तीय संसाधन जुटा सकती है। कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 62 के अनुसार अंश पूँजी वाली कम्पनी जब भी अपनी अभिदत्त पूँजी में वृद्धि करने के लिए अतिरिक्त अंश निर्गमित करना प्रस्तावित करती है, तो ऐसे अंश प्रस्तावित किये जायेंगे: **(अ)** ऐसे व्यक्तियो को जो, प्रस्ताव की तिथि को कम्पनी के ईक्विटी अंशों के धारक हैं, प्रदत्त पूँजी के एक निश्चित अनुपात में उन अंशों के लिए एक प्रस्ताव का पत्र निम्नलिखित शर्तों की पूर्ति करते हुए भेजा जाएगा–**(i)** ऐसा प्रस्ताव एक नोटिस के रूप में होगा जिसमें प्रस्तावित अंशों की संख्या तथा प्रस्ताव की तिथि से समय सीमा जो 15 दिन से कम नहीं होगी एवं 30 दिन से अधिक नहीं होगी। यदि प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाता हैं तो उसे अस्वीकार मान लिया जाएगा। **(ii)** जब तक अन्तर्नियमों में कोई विपरीत व्यवस्था न हो तो सम्बन्धित अंशधारी की, कम्पनी द्वारा उसे प्रस्तावित अंशों को किसी भी अन्य व्यक्ति के पास परित्याग करने का अधिकार होगा, एवं वाक्यांश **(i)** में वर्णित नोटिस में इस अधिकार का विवरण भी होगा। **(iii)** यदि पूर्वोक्त प्रस्ताव में निर्धारित अवधि में विद्यमान अंशधारी उन अंशों को लेने की स्वीकृति नहीं देता है या ऐसे व्यक्ति से जिसे नोटिस दिया गया हो, पूर्व में ही लिखित में इस प्रस्ताव को स्वीकार करने की अनिच्छा प्राप्त हो गई हो, तो कम्पनी का संचालक मण्ड़ल कम्पनी तथा अंशधारियों के हितों को ध्यान रखते हुए उन अंशों का अन्य व्यक्तियों को आबंटन कर सकता है।

इन अंशों के निर्गमन पर लेखा प्रविष्टियाँ उसी प्रकार से की जाती हैं, जिस प्रकार समता अंशों के निर्गमन पर की जाती है।

कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (Employees Stock Option Plan-ESOP):- कम्पनियों के द्वारा अपने संचालकों, अधिकारियों, एवं कर्मचारियों को अपने समता अंश प्रचलित बाजार मूल्य से कम मूल्य पर खरीदने का अधिकार दिया जाता हैं। ये व्यक्ति अपनी इच्छानुसार इन प्रस्तावित अंशों को खरीद सकते हैं। कम्पनी द्वारा अपने संचालकों, अधिकारियों व कर्मचारियों को अंश देने का उद्देश्य उनकी कार्यक्षमता तथा अपनत्व की भावना को बढाना होता हैं।

इस योजना के अन्तर्गत आबन्टित अंशों को सम्बन्धित व्यक्ति आबन्टन की तिथि से एक वर्ष के अन्दर खुले बाजार में नहीं बेच सकता है।

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 (37) के अनुसार 'कर्मचारी स्टॉक विकल्प' से आशय कम्पनी के संचालकों, अधिकारियों या कर्मचारियों को कम्पनी के अंश भावी तिथि को पूर्व निर्धारित मूल्य पर खरीदने के दिये गये अधिकार या लाभ, के विकल्प से है।

एस्क्रो या निलंब खाता(Escrow Account): 'एस्क्रो' शब्द से आशय एक अनुबन्ध के तहत किसी विनिर्दिष्ट शर्त के पूरा हो जाने तक गारन्टी के रूप में तृतीय पक्षकार के पास जमा की गई नकदी या प्रतिभूतियॉ। सेबी के दिशा निर्देशों के अनुसार जो कम्पनी 'अपने अंशों का क्रय' योजना के तहत अंश वापिस खरीद रही है उसे किसी बैंक में 'एस्क्रो' खाता खोलना होता हैं। इसमें निम्न शामिल है :– **(i)** किसी व्यावसायिक बैंक के पास जमा राशि **(ii)** किसी व्यापारिक बैंक के पक्ष में बैंक गारन्टी **(iii)** उचित मार्जिन के साथ स्वीकार्य प्रतिभूतियों का निक्षेप अर्थात जमा **(iv)** या उक्त (i) से (iii) का मिश्रण। यदि क्रय वापसी के रूप में चुकायी जाने वाली राशि ₹100 करोड़ से अधिक नहीं हो तो एस्क्रो खाते में ऐसी राशि का 25% जमा कराना होगा और यदि चुकायी जाने वाली राशि ₹100 करोड़ से अधिक हो तो आधिक्य का 10% भी जमा कराना होगा।

एस्क्रो खाते में जमा की गई राशि या प्रतिभूतियों को क्रय वापसी पूरी हो जाने पर सेबी की आज्ञा से वापिस कर दिया जाता है और अनुपालना न होने पर जब्त कर लिया जाता है।

ऋणपत्रों का निर्गमन
(Issue of Debentures)

सामान्य अर्थ में ऋण पत्र से आशय एक कम्पनी द्वारा लिये गये ऋण के बदले दी गई अभिस्वीकृति से है। इस प्रकार ऋण पत्र कम्पनी की सार्वमुद्रा के अन्तर्गत निर्गमित किया एक प्रलेख है जिसमें निर्धारित समय पर मूलधन के भुगतान और एक निश्चित तिथि पर (सामान्यतः छमाही) पूर्व निश्चित दर से ब्याज के भुगतान की शर्तों का उल्लेख रहता है।

टोफॉम के अनुसार,"ऋण–पत्र एक प्रलेख है जो कम्पनी के द्वारा प्रायः धारक से प्राप्त ऋण के प्रमाण के रूप में दिया जाता है और सामान्यतः एक प्रभार द्वारा सुरक्षित होता है।"

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(30) के अनुसार,"ऋणपत्रों में ऋणपत्र स्कन्ध (स्टॉक), बॉन्ड्स तथा ऋण के प्रमाण के रूप में कम्पनी की अन्य प्रतिभूतियों को सम्मिलित किया जाता है चाहे वे कम्पनी की सम्पत्तियों पर प्रभार उत्पन्न करती हो या नहीं।"

ऋणपत्रों की विशेषताएं (Features of Debentures): 1. ऋणपत्र एक प्रमाण–पत्र या प्रलेख है जो कम्पनी द्वारा लिये गये ऋण की पावती है। 2. ऋणपत्र में मूलधन की अदायगी अवधि एवं शोधन तिथि पूर्व निर्धारित होती है। 3. ऋणपत्र में ब्याज की दर निश्चित होती है एवं निश्चित समय अन्तराल से ब्याज दिया जाता हैं। 4. ऋणपत्र धारकों को मत देने का अधिकार नहीं होता है। 5. यह कम्पनी के दीर्घकालीन ऋण होते हैं। 6. ऋणपत्र कम्पनी की सम्पत्तियों पर प्रभार से सुरक्षित हो सकते हैं।

ऋणपत्रों के प्रकार (Types of Debentures): एक कम्पनी विभिन्न प्रकार के ऋणपत्रों का निर्गमन कर सकती हैं,उनकी विशेषताओं के आधार पर वर्गीकरण निम्न हैं:–

1. सुरक्षा के आधार पर (On the Basis of Security): (अ) सुरक्षित ऋणपत्र (Secured Debentures)– वे ऋणपत्र जो कम्पनी की सम्पत्तियों पर स्थाई या चल प्रभार से सुरक्षित होते हैं, सुरक्षित ऋणपत्र कहलाते हैं। कम्पनी द्वारा इन ऋणपत्रों का भुगतान न कर पाने की दशा में वे इन सम्पत्तियों को बेचकर अपने ऋण का भुगतान प्राप्त कर सकते हैं। (ब) असुरक्षित ऋणपत्र (Unsecured Debentures)– वे ऋणपत्र जो कम्पनी की सम्पत्तियों पर प्रभार द्वारा सुरक्षित नहीं होते हैं,असुरक्षित या नग्न ऋणपत्र कहलाते हैं।

2. शोधन के आधार पर (On the Basis of Redemption): (अ) शोधनीय ऋणपत्र (Redeemable Debentures)– वे ऋणपत्र जिनका भुगतान कम्पनी द्वारा एक निश्चित अवधि के पश्चात् कर दिया जाता है, शोधनीय ऋणपत्र कहलाते हैं। (ब) अशोधनीय ऋणपत्र (Irredeemable Debentures)– वे ऋणपत्र जिनका भुगतान कम्पनी के जीवनकाल में नहीं होता है वरन कम्पनी के समापन पर ही किया जाता है, अशोधनीय ऋणपत्र कहलाते हैं।

3. पंजीयन के आधार पर (On the Basis of Registration): (अ) पंजीकृत ऋणपत्र (Registered Debentures)– वे ऋणपत्र जिनके धारकों का नाम कम्पनी की पुस्तकों में दर्ज रहता है। कम्पनी द्वारा ब्याज एवं मूलधन का भुगतान इस रजिस्टर्ड धारक को ही किया जाता है। इन ऋणपत्रों का हस्तान्तरण, हस्तान्तरण प्रलेख के माध्यम से होता हैं। (ब) वाहक ऋणपत्र (Bearer Debentures)– वे ऋणपत्र जिनके धारकों का नाम कम्पनी की पुस्तकों में दर्ज नहीं

होता है। इन ऋणपत्रों का हस्तान्तरण सुपुर्दगी द्वारा ही किया जा सकता है। ब्याज की तिथि को जो धारक ऋणपत्रों के साथ संलग्न ब्याज का कूपन प्रस्तुत करता है उसे ब्याज का भुगतान कर दिया जाता हैं।

4. पुनर्भुगतान प्राथमिकता के आधार पर (On the Basis of Repayment Priority): (अ) प्रथम ऋणपत्र(First Debentures)– वे ऋणपत्र जिनका पुनर्भुगतान अन्य ऋणपत्रों से पहले किया जाता है, प्रथम ऋणपत्र कहलाते हैं। (ब) द्वितीय ऋणपत्र (Second Debenture)– वे ऋणपत्र जिनका शोधन अर्थात् पुनर्भुगतान प्रथम ऋणपत्रों के बाद किया जाता है, द्वितीय ऋणपत्र कहलाते हैं।

5. ब्याज की दर के आधार पर (On the Basis of Interest Rate): (अ) निश्चित ब्याज दर वाले ऋणपत्र (Specific Coupon Rate Debentures)– वे ऋणपत्र जिनका निर्गमन करते समय ही ब्याज दर निश्चित कर दी जाती हैं इस ब्याज दर को कूपन दर भी कहते हैं। जैसे– 14% Debenture या 12% Debenture में 14% या 12% ब्याज की दर है। (ब) शून्य ब्याज दर वाले ऋणपत्र (Zero Coupon Rate Debentures)– ऐसे ऋणपत्रों को बिना किसी ब्याज की दर के साथ निर्गमित किया जाता है। विनियोक्ताओं की क्षति की पूर्ति हेतु इन ऋणपत्रों को बट्टे पर निर्गमित किया जाता है। ऋणपत्र के अंकित मूल्य व निर्गमन मूल्य का अंतर ऋणपत्रों की अवधि का कुल ब्याज माना जाता है।

6. परिवर्तनशीलता के आधार पर (On The Basis of Conversion): (अ) परिवर्तनीय ऋणपत्र(Convertible Debentures)– वे ऋणपत्र जिन्हें एक निश्चित समय के पश्चात् अंशों या अन्य प्रतिभूति में परिवर्तन कराया जा सकता हैं,परिवर्तनीय ऋणपत्र कहलाते हैं। यदि ऋणपत्रों की राशि के एक भाग का ही समता अंशों में परिवर्तन कराया जा सके,तो वह आंशिक परिवर्तनशील ऋणपत्र (PCD or Partly Convertible Debentures) कहलाते हैं और यदि सम्पूर्ण ऋणपत्र राशि का परिवर्तन समता अंशों में कराया जा सके तो वह पूर्ण परिवर्तनशील ऋणपत्र (FCD or Fully Convertible Debentures) कहलाते हैं। (ब) अपरिवर्तनीय ऋणपत्र (Non-Convertible Debentures)– वे ऋणपत्र जिनका परिवर्तन अंश या अन्य प्रतिभूति में नहीं किया जा सकता हो, अपरिवर्तनीय ऋणपत्र कहलाते हैं।

अंश और ऋणपत्र में अन्तर (Difference Between Share and Debenture)

अंशा व ऋणपत्र में निम्न अन्तर हैं:–

क्र. सं.	अन्तर का आधार	अंश	ऋणपत्र
1.	स्वामित्व	अंशों के धारक कम्पनी के स्वामी होते हैं।	ऋणपत्रों के धारक ऋणदाता कहलाते हैं।
2.	हिस्सा	अंश कम्पनी की पूँजी का हिस्सा है।	ऋणपत्र ऋण की स्वीकृति है।
3.	अवधि	अंश निर्गमन द्वारा दीर्घकालीन स्थायी पूँजी प्राप्त की जाती है।	ऋणपत्रों के द्वारा दीर्घकालीन एवं मध्यकालीन अस्थायी पूँजी प्राप्त की जाती है।
4.	लाभांश या ब्याज	लाभ की स्थिति में ही अंशों पर लाभांश दिया जाता है।	कम्पनी को लाभ हो या न हो, ऋणपत्रों पर ब्याज हमेशा दिया जाता है।
5.	पुनर्भुगतान	कम्पनी के जीवनकाल में सामान्यतः अंशों का भुगतान नहीं किया जाता है।	एक निश्चित अवधि के पश्चात् ऋणपत्रों का शोधन/पुनर्भुगतान कर दिया जाता है।
6.	बट्टे पर निर्गमन	अंशों का बट्टे पर निर्गमन नहीं किया जा सकता है।	ऋणपत्रों के बट्टे पर निर्गमन पर कोई प्रतिबन्ध नहीं हैं।
7.	सुरक्षा	अंश सुरक्षित नहीं होते हैं।	ऋणपत्र कम्पनी की सम्पत्तियों पर प्रभार द्वारा सुरक्षित हो भी सकते हैं और नहीं भी।
8.	परिवर्तन	अंश सामान्यतः अन्य प्रकार की प्रतिभूति में परिवर्तित नहीं किये जाते हैं।	ऋणपत्र अंशों में परिवर्तित किये जा सकते हैं।
9.	मताधिकार	अंशधारी को साधारण सभा में उपस्थित होने एवं मतदान का अधिकार होता है।	मताधिकार नहीं होता है।
10.	जोखिम	अंशों में विनियोग पर जोखिम अधिक होती है।	ऋणपत्रों में अंशों की अपेक्षा जोखिम कम होती है।

ऋणपत्रों के निर्गमन पर लेखांकन (Accounting for Issue of Debentures)

एक कम्पनी ऋणपत्रों का निर्गमन करके अपनी दीर्घकालीन ऋण पूंजी में वृद्धि कर सकती है। ऋणपत्रों का निर्गमन भी ठीक उसी तरीके से किया जाता हैं जिस प्रकार अंशों का। कम्पनी द्वारा प्रविवरण के माध्यम से ही जनता को ऋणपत्रों में अभिदान हेतु आमंत्रण दिया जाता है। इच्छुक ऋणदाता निर्धारित प्रारूप में आवेदन राशि के साथ आवेदन करता है। कम्पनी द्वारा ऋणपत्रों की राशि एक मुश्त अथवा किश्तों यथा आवेदन, आबंटन, प्रथम मांग, द्वितीय मांग आदि में ली जा सकती है।

ऋणपत्रों का निर्गमन सम–मूल्य पर, प्रीमियम पर अथवा बट्टे पर किया जा सकता है। कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 52 व 53 ऋणपत्रों के निर्गमन पर लागू नहीं होती है अर्थात् एक कम्पनी अपने ऋणपत्रों का बट्टे पर निर्गमन कर सकती है। कम्पनी अधिनियम,2013 में ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टे की अधिकतम दर नहीं दी गई हैं। अतः कम्पनी उसके द्वारा निर्धारित बट्टे पर ऋणपत्रों का निर्गमन कर सकती है। ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा "Discount on Issue of Debentures" A/c को डेबिट किया जाता है। बट्टे की राशि को ऋणपत्रों के जीवनकाल में पूँजीगत लाभ से या लाभ–हानि विवरण से अपलिखित कर दिया जाना चाहिये।

ऋणपत्रों के निर्गमन पर लेखांकन प्रविष्टियाँ (Accounting Entries on the Issue of Debentures)

(अ) ऋणपत्रों की राशि आवेदन पर एक मुश्त प्राप्त होने पर–

(i) ऋणपत्रों का निर्गमन सम–मूल्य पर किया जाए :

Bank A/c	Dr.	(Nominal Value of Debentures)
To Debenture Application & Allotment A/c		
(Being application money received for Debentures)		
Debentures Application &Allotment A/c	Dr.	(Nominal Value)
To Debentures A/c		
(Being transfer of application money to Debentures A/c)		

(ii) ऋणपत्रों का निर्गमन प्रीमियम पर किया जाए

Bank A/c	Dr.	(Amount Received)
To Debenture Application & Allotment A/c		
(Being application money received for Debentures)		
Debentures Application &Allotment A/c	Dr.	(Amount Received)
To Debentures A/c		(Nominal Value)
To Securities Premium A/c		(Amount of Premium)
(Being application money transferred to Debentures A/c and Securities Premium A/c)		

(iii) ऋणपत्रों का निर्गमन बट्टे पर किया जाए–(जब ऋणपत्रों को उनके अंकित मूल्य से कम मूल्य पर निर्गमित किया जाए)

Bank A/c	Dr.	(Amount Received)
To Debenture Application and Allotment A/c		
(Being application money received)		
Debenture Application & Allotment A/c		Dr. (Amount Received)
Discount on Issue of Debenture A/c		Dr. (Amount of Discount)
To Debenture A/c (Nominal Value)		
(Being application money transferred to Debenture A/c)		

(ब) ऋणपत्रों की राशि किश्तों में प्राप्त होने पर लेखा अंशों के निर्गमन के अनुरूप ही किया जाता है जो इस प्रकार है:

(i) आवेदन राशि प्राप्त होने पर

Bank A/c	Dr. (Amount Received)
To Debentures Application A/c	
(Being Debenture application money received)	

(ii) आवेदन राशि ऋणपत्र खाते में अंतरण पर

Debenture Application A/c	Dr. (Amount Transferred)

To Debentures A/c

(Being Debenture application money transferred)

(iii) आबंटन राशि देय (Due) होने पर

(a) सम मूल्य पर निर्गमन की दशा में

Debenture Allotment A/c Dr. (Amount of Call)

To Debentures A/c

(b) प्रीमियम पर निर्गमन की दशा में

Debenture Allotment A/c Dr. (Amount of Call)

To Debentures A/c

To Securities Premium A/c (Amount of Premium)

(c) बट्टे पर निर्गमन की दशा में

Debentures Allotment A/c Dr. (Net Amount of Call)

Discount on Issue of Debenture A/c Dr. (Amount of Discount)

To Debentures A/c

(iv) आबंटन राशि प्राप्त होने पर

Bank A/c Dr.

To Debentures Allotment A/c

(Being debenture allotment money received)

(v) मांग राशि देय होने पर

Debenture Call A/c Dr. (Amount of Call)

To Debentures A/c

(Being Debentures call money due on --- Debentures @-----₹each)

(vi) मांग राशि प्राप्त होने पर

Bank A/c Dr.

To Debentures Call A/c

(Being Debentures call money received)

उदाहरण 9 : अरविन्द लि० ने ₹100 वाले 5000 8% ऋणपत्र जनता में निर्गमित किये। समस्त ऋणपत्रों को क्रय करने के लिए प्रार्थना पत्र आये। कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये। ऋणपत्रों की समस्त राशि आवेदन पर देय थी। यदि ऋणपत्रों का निर्गमन **(i)** सममूल्य पर **(ii)** 10% प्रीमियम पर **(iii)** 5% बट्टे पर किया जाए।

Arvind Ltd. issued 5000 8% Debentures of ₹100 each to the public. Applications were received for all these Shares. All the amount of Debentures was payable on application. Give Journal entries in the books of Company. If Debentures are issued: **(i)** At Par **(ii)** At 10% Premium **(iii)** At 5% Discount.]

हल: **Journal of Arvind Ltd.**

(i) यदि ऋणपत्रों का निर्गमन सममूल्य पर किया जाए:

Date	Particulars	L.F.	Amount Dr. ₹	Amount Cr. ₹
	Bank A/c Dr. To Debentures Application A/c (Being application money received for 5000 Debentures @ ₹100 each)		5,00,000	5,00,000
	Debentures Application A/c Dr. To 8% Debentures A/c (Being Debentures application money transferred to Debentures A/c)		5,00,000	5,00,000

(ii) यदि ऋणपत्रों का निर्गमन 10% प्रीमियम पर किया जाए

Date	Particulars	L.F.	Amount Dr. ₹	Amount Cr. ₹
	Bank A/c Dr. To Debentures Application A/c (Being Application money received for 5000 Debentures @ ₹110 each,including premium)		5,50,000	5,50,000
	Debentures Application A/c Dr. To8% Debentures A/c To Securities Premium A/c (Being Application money transferred)		5,50,000	5,00,000 50,000

(iii) यदि ऋणपत्रों का निर्गमन 5% बट्टे पर किया जाए:

Date	Particulars	L.F.	Amount Dr. ₹	Amount Cr. ₹
	Bank A/c Dr. To Debentures Application A/c (Being Application money received for 5000 Debentures @ ₹95each,net of Discount)		4,75,000	4,75,000
	Debentures Application A/c Dr. Discount on issue of Debentures A/c Dr. To 8% Debentures A/c (Being Debentures application money transferred)		4,75,000 25,000	5,00,000

अधि अभिदान (Over Subscription) होने पर: यदि निर्गमित किये जाने वाले ऋणपत्रों की अपेक्षा अधिक ऋणपत्रों के क्रय हेतु आवेदन प्राप्त होते हैं तो यह स्थिति अधि अभिदान की कहलाती है। एक कम्पनी प्रस्तावित ऋणपत्रों से अधिक ऋणपत्रों का आबंटन नहीं कर सकती है। ऐसी दशा में अधि अभिदान पर प्राप्त अतिरिक्त राशि का निपटारा निम्न में से किसी एक तरीके से किया जा सकता है: (1) अतिरिक्त आवेदनों को निरस्त (Reject) कर उनकी राशि लौटा दी जाए। (2) निर्गमित किये जाने वाले समस्त ऋणपत्रों को आये हुए कुल आवेदनों के प्रार्थियों के मध्य आनुपातिक आधार (Pro-rata) पर आबंटित कर दिया जाए तथा आवेदन पर प्राप्त अतिरिक्त राशि का समायोजन बंटन पर करना। (3) उपरोक्त दोनों विकल्प (1) व (2) के संयोजन (Combination) के आधार पर करना।

ऋणपत्रों का चिट्ठे में प्रकटीकरण (Disclosure of Debentures in Balance Sheet): ऋणपत्र एवं उनसे सम्बंधित निर्गमन पर बट्टे की राशि को चिट्ठे में निम्न तरीके से दर्शाया जायेगा:–

ऋणपत्र (Debentures)– ऋणपत्रों की राशि को चिट्ठे के Equity and Liabilities भाग में Long Term Liabilities शीर्षक के उपशीर्षक Long-Term Borrowings के अन्तर्गत दर्शाया जाता है। यदि बकाया ऋणपत्रों का भुगतान चिट्ठे की तिथि से आगामी 12 माह में होना हो तो ऐसे ऋणपत्रों को Current Liabilities शीर्षक के उप शीर्षक Other Current Liabilities के अन्तर्गत दर्शाया जाता है।

ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा (Discount on Issue of Debentures)– ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टे की वह राशि जो चिट्ठे की तिथि तक अपलिखित नहीं हुई हो,उसे चिट्ठे के Assets भाग में Non-Current Assets शीर्षक के उपशीर्षक other Non-Current Assets के अन्तर्गत दर्शाया जाता है। यदि बट्टे की राशि का कोई भाग चिट्ठे की तिथि से 12 माह के अन्दर अपलिखित होना हो तो बट्टे की राशि के उस भाग को Current Assets शीर्षक के उप शीर्षक Other Current Assets के अन्तर्गत दर्शाया जाता है।

उदाहरण 10 : गगन लि० ने ₹100 वाले 5000 8% ऋणपत्रों को 20% प्रीमियम पर निर्गमित किया। राशि इस प्रकार देय थी: आवेदन पर 25%, आबंटन पर 50% (प्रीमियम सहित) तथा शेष प्रथम एवं अंतिम मांग पर। 6500 ऋणपत्रों के लिए आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 500 ऋणपत्रों के आवेदनों को रद्द कर दिया गया तथा शेष आवेदकों को यथानुपात बंटन किया गया। कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये तथा मदों को चिट्ठे में भी प्रदर्शित कीजिये।

Gagan Ltd. issued 5000 8% Debentures of ₹100 each at 20% premium. Amount was payable as follows: 25% on Application, 50% (including premium) on Allotment, and balance on first and

final call. Applications were received for 6500 Debentures, out of which 500 application for debentures have been cancelled and remaining applicants were allotted on pro-rata basis. Give journal entries in the books of the Company and show the items in the Balance Sheet.

हल: **Journal of Gagan Ltd.**

Date	Particulars	L.F.	Amount Dr. (₹)	Amount Cr. (₹)
	Bank A/c Dr.		1,95,000	
	To Debentures Application A/c			1,95,000
	(Being Application money for 6500 Debentures received @ 30 each)			
	Debentures Application A/c Dr.		1,65,000	
	To 8% Debentures A/c			1,50,000
	To Bank A/c			15,000
	(Being Debentures application money transferred and application money of 500 debentures refunded)			
	Debentures Allotment A/c Dr.		3,00,000	
	To 8% Debentures A/c			2,00,000
	To Securities Premium A/c			1,00,000
	(Being allotment money due @ ₹60each)			
	Debentures Application A/c Dr.		30,000	
	Bank A/c Dr.		2,70,000	
	To Debentures Allotment A/c			3,00,000
	(Being excess application money adjusted and balance of allotment money received in cash)			
	Debentures First and Final Call A/c Dr.		1,50,000	
	To 8% Debentures A/c			1,50,000
	(Being first and final call money due)			
	Bank A/c Dr.		1,50,000	
	To Debentures First and Final Call A/c			1,50,000
	(Being first and final call money received)			

Name of the Company: Gagan Ltd.

Balance Sheet as at_____

Particulars	Note No.	Figures for the current year (₹)	Figures for the previous year (₹)
EQUITY AND LIABILITIES			
1. Shareholder's Fund			
(b) Reserve and Surplus		1,00,000	
3. Non Current Liabilities			
(a) Long-Term borrowings		5,00,000	
		6,00,000	
ASSETS			
2. Current Assets			
(d) Cash and Cash Equivalents		6,00,000	
		6,00,000	

Notes to Accounts:

(1) Reserves & Surplus

Securities Premium	1,00,000

(2) Long Term Borrowings

8% Debentures	5,00,000

Working Note:- 1. Issue Price = 100+20% of 100 = ₹120; **2.** Amount due on Application 25% of 120 = ₹30; **3.** Amount due on Allotment 50% of 120 = ₹60, out of which ₹20 is for premium and balance (60-20) ₹40 for Debentures;

4. Amount of Application money adjusted on allotment:

Received 6,500 x ₹30	= ₹ 1,95,000
Less: Transfer to Debenture A/c (5000 x ₹30)	= ₹ 1,50,000
	= ₹ 45,000
Less: Refund (500 x ₹30)	= ₹ 15,000
Excess application money adjust on Allotment	= ₹ 30,000

उदाहरण 11 : शक्ति लि० ने ₹ 100 वाले 10,000 7% ऋणपत्रों का निर्गमन 5% बट्टे पर किया, जिन पर ₹30 आवेदन पर, ₹45 आवंटन पर तथा शेष राशि प्रथम एवं अंतिम मांग पर देय है । ऋणपत्रों के निर्गमन पर आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये तथा सम्बंधित मदों को चिट्ठे में प्रदर्शित कीजिये । यह मानिए समस्त ऋणपत्रों के लिए आवेदन प्राप्त हुए ।

Shakti Ltd. issued 10,000 7% Debentures of ₹100 each at 5%discount, on which ₹30 on Application, ₹45 on allotment and balance amount on first and final call was payable. Give necessary journal entries on the issue of debentures and show the relevant items in the Balance Sheet. Assuming applications were received for all the debentures.

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr. (₹)	Amount Cr. (₹)
	Bank A/c Dr.		3,00,000	
	To Debentures Application A/c			3,00,000
	(Being application money received for 10,000 Debentures)			
	Debentures Application A/c Dr.		3,00,000	
	To 7% Debentures A/c			3,00,000
	(Being Debentures application money transferred)			
	Debentures Allotment A/c Dr.		4,50,000	
	Discount on issue of Debentures A/c Dr.		50,000	
	To 7% Debentures A/c			5,00,000
	(Being Debenture allotment money due @ ₹45 each and discount @ ₹5 each debited to discount A/c)			
	Bank A/c Dr.		4,50,000	
	To Debentures Allotment A/c			4,50,000
	(Being the amount of allotment received)			
	Debentures First and Final Call A/c Dr.		2,00,000	
	To 7% Debentures A/c			2,00,000
	(Being the first & final call money due on 10,000 Debentures)			
	Bank A/c Dr.		2,00,000	
	To Debentures First & Final Call A/c			2,00,000
	(Being the amount received on first & final call)			

Balance Sheet of Shakti Ltd. as at----------

Particulars	Note No.	Figures for the current year (₹)	Figures for the previous year (₹)
EQUITY AND LIABILITIES			
(3) Non Current Liabilities			
(a) Long-Term Borrowings (7% Debentures)		10,00,000	
		10,00,000	
ASSETS			
(1) Non Current Asset			
(e) Other Non-Current Assets (Dis. on Debentures)		50,000	
(2) Current Assets			
(d) Cash and Cash Equivalents		9,50,000	
		10,00,000	

Working Note: 1. Amount of first Call = 100 – [30+45+5(Discount)] = ₹20per Debenture

ऋणपत्रों का नकद के अतिरिक्त प्रतिफल के रूप में निर्गमन

(Issue of Debentures for Consideration other than Cash)

जब कोई कम्पनी किसी संपत्ति को खरीदती है या कोई चालू व्यापार खरीदती है, तो उस विक्रेता को भुगतान के रूप में ऋणपत्रों का निर्गमन करती है । ऐसे ऋणपत्रों का निर्गमन नकद के अतिरिक्त प्रतिफल के रूप में माना जाता है । कभी–कभी ऐसा भुगतान आंशिक रूप से नकद,आंशिक रूप से अंशों या ऋणपत्रों के रूप में भी किया जा सकता है । यदि भुगतान ऋणपत्रों के रूप में किया जाता है तो निम्न प्रविष्टि होगी :

(i) संपत्ति क्रय करने पर: Asset A/c Dr.
To Vendors A/c
(Being purchase of asset)

(ii) व्यापार क्रय करने पर: Asset A/c Dr. (with value of Asset's)
To Liabilities A/c (with value of Liabilities)
To Vendor's A/c (Purchase Consideration)
(Being Assets and Liabilities purchased)

(iii) विक्रेता को ऋणपत्र निर्गमन द्वारा भुगतान करने पर: Vendor's A/c Dr.
To Debentures A/c
(Being debentures issued to vendors at par)

नोट:– 1. यदि विक्रेताओं को ऋणपत्रों का निर्गमन प्रीमियम पर किया गया हो तो प्रीमियम की राशि से 'Securities Premium A/c' को Cr. और यदि बट्टे पर किया गया हो तो बट्टे की राशि से 'Discount on issue of Debentures A/c' को Dr. किया जायेगा ।

2. क्रय प्रतिफल के भुगतानस्वरुप निर्गमित किये जाने वाले ऋणपत्रों के अंकित मूल्य की गणना–

ऋणपत्रों का अंकित मूल्य = क्रय प्रतिफल या विक्रेता को देय राशि / प्रति ऋणपत्र निर्गमन मूल्य x ऋणपत्रों का अंकित मूल्य

उदाहरण 12 : अशोका लि० ने 1 अप्रैल 2016 को अनुज से ₹10,00,000 की संपत्ति एवं ₹1,20,000 के दायित्वों के साथ चालू व्यापार ख़रीदा । क्रय प्रतिफल का भुगतान अनुज को 1 मई 2016 को ₹100 वाले 6% ऋणपत्र निर्गमित कर किया गया। अशोक लि० की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए, यदि ऋणपत्रों का निर्गमन (क) सममूल्य पर (ख) 10% प्रीमियम; या (ग) 12% बट्टे पर किया गया हो ।

Ashoka Ltd. bought a running business from Anuj on 01st April, 2016 with the assets of ₹10,00,000 and liabilities of ₹ 1,20,000. The purchase consideration was paid to Anuj on 01st May, 2016 by the

issue of 6% Debentures of ₹100 each. Give necessary Journal entries in the books of Ashoka Ltd., if debentures are issued: **(A)** At par **(B)** At 10% premium; **(C)** At 12% Discount.

Journal of Ashoka Ltd.

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr. (₹)	Amount Cr. (₹)
1April, 2016	Assets A/c Dr.		10,00,000	
	To Liabilities A/c			1,20,000
	To Anuj's A/c			8,80,000
	(Being Assets & Liabilities of Anuj purchased for ₹8,80,000)			
(क)	यदि ऋणपत्रों का निर्गमन सममूल्य पर किया गया हो			
1 May, 2016	Anuj's A/c Dr.		8,80,000	
	To 6% Debentures A/c			8,80,000
	(Being 8800 6% debentures of ₹100each issued at par to Anuj)			
(ख)	ऋणपत्रों का निर्गमन 10% प्रीमियम पर किया गया हो			
1 May, 2016	Anuj's A/c Dr.		8,80,000	
	To 6% Debentures A/c			8,00,000
	To Securities Premium A/c			80,000
	(Being 8000, 6% debentures of ₹100each issued to Anuj at a Premium of 10%)			
(ग)	ऋणपत्रों का निर्गमन 12% बट्टे पर किया गया हो			
1 May, 2016	Anuj's A/c Dr.		8,80,000	
	Discount on issue of Debentures A/c Dr.		1,20,000	
	To 6% Debentures A/c			10,00,000
	(Being 10,000 6% debentures of ₹100 each issued to Anuj at discount of 12%)			

Working Notes:– (1) विक्रेताओं/अनुज को भुगतान शुद्ध संपत्ति के बराबर किया जायेगा।
Purchase Consideration = Assets taken over – Liabilities taken over = 10,00,000 – 1,20,000 = ₹8,80,000
(2) निर्गमित किये जाने वाले ऋणपत्रों का अंकित मूल्य: **(क)** सममूल्य पर = ₹8,80,000 x 100/100 = ₹8,80,000 **(ख)** 10% प्रीमियम पर = ₹8,80,000 x 100/110 = ₹8,00,000 **(ग)** 12% बट्टे पर = ₹8,80,000 x 100/88 = ₹10,00,000

समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों का निर्गमन
(Issue of Debentures as Collateral Securities)

समपार्श्विक या सहायक प्रतिभूति से आशय उस अतिरिक्त प्रतिभूति से हैं जो ऋणदाता को मुख्य प्रतिभूति के अतिरिक्त दी जाती है। जब किसी कम्पनी द्वारा बैंक से ऋण लेते समय अपनी कोई संपत्ति गिरवी रखी जाती है। साथ ही ऋण की अतिरिक्त जमानत के रूप में कम्पनी द्वारा बैंक को अपने ऋणपत्र भी निर्गमित किये गये हों तो ये ऋणपत्र समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमन कहलाते हैं।

यदि बैंक मुख्य प्रतिभूति से अपने ऋण की वसूली करने में असमर्थ रहता है तो वह इस समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में रखे गये ऋणपत्रों को बेचकर अपने ऋण राशि की वसूली कर सकता है। यदि निर्धारित समय पर कम्पनी बैंक ऋण का भुगतान कर देती है तो बैंक को इन ऋणपत्रों को लौटना होगा।

कम्पनी द्वारा बैंक को मूल ऋण राशि पर ही ब्याज का भुगतान किया जाता है। समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में रखे गये ऋणपत्रों पर कोई ब्याज का भुगतान नहीं किया जाता है।

समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित ऋणपत्रों का लेखांकन व्यवहारः– ऐसे ऋणपत्रों के निर्गमन का लेखांकन व्यवहार निम्न दो में से किसी एक तरीके से किया जा सकता हैः

(1) प्रथम विधिः इसके अन्तर्गत कम्पनी द्वारा समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्र निर्गमन पर पुस्तकों में कोई प्रविष्टि नहीं की जाती है। केवल बैंक या वित्तीय संस्था से ऋण लेने की प्रविष्टि की जाती है। चिट्ठे में कम्पनी द्वारा लिए गये ऋण को 'समता एवं दायित्व' भाग में 'Non-Current Liabilities' शीर्षक के उप शीर्षक 'Long-Term Borrowings' के अन्तर्गत दर्शाया जाता है। उसी स्थान पर Bank Loan के नीचे कोष्ठक में समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित ऋणपत्रों को दर्शाया जाता हैं।

(2) द्वितीय विधि: इस विधि के अन्तर्गत समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्र निर्गमन पर लेखा प्रविष्टि की जाती है।

(i) ऋणपत्र निर्गमन पर: Debenture Suspense A/c Dr. (ऋणपत्रों का अंकित मूल्य)
To Debentures A/c
(Being issue of Debentures as Collateral Security)

(ii) ऋण का भुगतान हो जाने पर: Debentures A/c Dr.
To Debenture Suspense A/c
(Being Debentures issued as Collateral Security withdrawn)

जब तक ऋण का भुगतान नहीं किया जाता तब तक Debentures A/c को समता एवं दायित्व भाग में 'Non-Current Liabilities शीर्षक के उप शीर्षक 'Long-Term Borrowings के अन्तर्गत दर्शाया जाता है तथा 'Debenture Suspense A/c को इन ऋणपत्रों में से घटाकर दर्शाया जाता है।

उदाहरण 13 : एस.पी. लि. ने बैंक ऑफ बडौदा से ₹4,00,000 का ऋण लिया तथा समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ₹5,00,000 के 6% ऋणपत्र बैंक के पास रखे। एस पी लि० की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये एवं चिट्ठा बनाईये। यदि **(i)** समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित ऋणपत्रों की प्रविष्टि नहीं की जाती है। **(ii)** यदि इनके निर्गमन पर प्रविष्टि की जाती है।

SP Ltd. has took a loan of ₹ 4,00,000 from Bank of Baroda and put 6% Debentures of ₹5,00,000 to the bank as Collateral Security. Give Journal entries in the books of SP Ltd. and prepare Balance Sheet if **(i)** Entry have not passed for issue of debentures as Collateral Security. **(ii)** Entry has passed for the issue.

हल: (i) यदि ऋणपत्र निर्गमन की प्रविष्टि नहीं की जाती है :

Journal Entries

Date	Particulars	L.F.	Amount Dr. (₹)	Amount Cr. (₹)
	Bank A/c Dr. To Bank Loan A/c (Being Loan taken from BOB on the Collateral Security of 6% Debentures of ₹5,00,000)		4,00,000	4,00,000

Balance Sheet of SP Ltd. as at----------

Particulars	Note No.	Figures for the current year (₹)	Figures for the previous year (₹)
I. EQUITY AND LIABILITIES			
3. Non Current Liabilities			
(a) Long Term Borrowings			
(Bank Loan (6% Debentures of Rs 5,00,000 deposited as Collateral Security)		4,00,000	
Total		4,00,000	

II. ASSETS			
2. Current Assets			
(d) Cash and Cash Equivalents		4,00,000	
Total		4,00,000	

(ii) यदि ऋणपत्र निर्गमन पर प्रविष्टि की जाती हैं :

Date	**Particulars**	**L.F.**	**Amount Dr. (₹)**	**Amount Cr. (₹)**
	Bank A/c Dr.		4,00,000	
	To Bank Loan A/c			4,00,000
	(Being Bank Loan taken from Bank of Baroda)			
	Debenture Suspense A/c Dr.		5,00,000	
	To 6% Debentures A/c			5,00,000
	(Being 6% Debentures of ₹5,00,000 issued as collateral security)			

Notes to Accounts

1. Long Term Borrowings			
6% Debentures	5,00,000		
Less: Debenture Suspense A/c	5,00,000	- Nil-	
Bank Loan (Secured by 6% Debentures)		4,00,000	
		4,00,000	

उदाहरण 14 : आदर्श लि० ने ₹ 4,00,000 के 7% ऋणपत्रों का निर्गमन निम्न प्रकार किया–**(i)** ₹2,00,000 के 7% ऋणपत्रों को 10% बट्टे पर नकद के लिए, **(ii)** रमेश से ₹90,000 की स्थाई सम्पत्ति क्रय की,उसके प्रतिफलस्वरुप उसको ₹ 1,00,000 अंकित मूल्य के 7% ऋणपत्र निर्गमित किये, **(iii)** बैंक से ₹ 50,000 का ऋण लिया। समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में बैंक के पास ₹ 1,00,000 के 7% ऋणपत्र जमा कराये। आदर्श लि० की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये एवं चिट्ठा तैयार कीजिये।

Adarsh Ltd. issued 7% Debentures of ₹4,00,000 as follows: **(i)** 7% Debentures of ₹2,00,000 at 10% discount for cash. **(ii)** A fixed asset of ₹90,000 purchased from Ramesh. For the consideration of it, issued 7% Debentures with a nominal value of ₹1,00,000. **(iii)** Taken a loan of ₹50,000 from Bank and deposited to the bank 7% Debentures of ₹1,00,000 as collateral security. Give journal entries in the books of Adarsh Ltd. and draw the Balance Sheet.

Journal of Adarsh Ltd.

Date	**Particulars**	**L.F.**	**Amount Dr. (₹)**	**Amount Cr. (₹)**
	Bank A/c Dr.		1,80,000	
	Discount on issue of Debentures A/c Dr.		20,000	
	To 7% Debentures A/c			2,00,000
	(Being 7%Debentures issued for cash at 10% discount)			
	Fixed Assets A/c Dr.		90,000	
	To Ramesh's A/c			90,000
	(Being fixed Assets purchased from Ramesh)			
	Ramesh's A/c Dr.		90,000	
	Discount on issue of Debentures A/c Dr.		10,000	
	To 7% Debentures A/c			1,00,000
	(Being 7% Debentures issued to Ramesh at discount)			
	Bank A/c Dr.		50,000	

	To Bank Loan A/c				50,000
	(Being bank loan taken)				
	Debenture Suspense A/c	Dr.		1,00,000	
	To 7% Debentures A/c				1,00,000
	(Being 7% Debentures issued as collateral security)				

Balance Sheet of Adarsh Ltd. as at----------

Particulars	Note No.	Figures for the current year (₹)	Figures for the previous year (₹)
I. EQUITY AND LIABILITIES			
Non Current Liabilities			
Long Term Borrowing	**1**	3,50,000	
Total		3,50,000	
II. ASSETS			
Non Current Assets			
Fixed Assets		90,000	
Other Non Current Assets	**2**	30,000	
Current Assets			
Cash and Cash Equivalents		2,30,000	
Total		3,50,000	

Notes to Accounts

1. Long Term Borrowings			
7% Debentures	4,00,000		
Less: Debenture Suspense A/c	1,00,000	3,00,000	
Bank Loan		50,000	
		3,50,000	
2. Other Non Current Assets			
Discount on issue of Debentures	(20,000 + 10,000)	30,000	
		30,000	

शोधन की शर्तों के आधार पर ऋणपत्रों का निर्गमन
(Issue of Debentures according to the conditions of redemption)

एक कम्पनी द्वारा ऋणपत्रों का निर्गमन सममूल्य पर, बट्टे पर या प्रीमियम पर किया जा सकता है तथा उन ऋणपत्रों का शोधन भी सममूल्य पर या प्रीमियम पर किया जा सकता है। यदि ऋणपत्रों का शोधन प्रीमियम पर किया जाता है तो इसका आशय यह है कि कम्पनी ऋणपत्र धारकों को अंकित मूल्य से अधिक भुगतान करेगी। यह अधिक राशि कम्पनी के लिए हानि है। अतः इस राशि के लिए आयोजन कर लिया जाता है। इस हेतु ऋणपत्रों के निर्गमन के समय ही 'Loss on Issue of Debentures A/c को Dr. कर 'Premium on Redemption of Debentures A/c को Cr. किया जाता हैं। विभिन्न परिस्थितियों में ऋणपत्रों के निर्गमन की प्रविष्टियाँ निम्नानुसार होंगी:–

(1) जब ऋणपत्रों का निर्गमन सममूल्य पर हो तथा शोधन भी सममूल्य पर हो

उदाहरण 15 : राधे लि० ने 5000 6% ऋणपत्र प्रत्येक ₹100 वाला सममूल्य पर निर्गमित किये, जिनका शोधन 5 वर्ष पश्चात् सम मूल्य पर होना है। राधे लि० की पुस्तकों में ऋणपत्रों के निर्गमन की प्रविष्टियाँ दीजिये।

Radhey Ltd. issued 5000 6% Debentures of Rs 100 each at par, which were repayable at par after 5 years. Give journal entries for the issue of Debentures in the books of Radhey Ltd. .

हल: **Journal of Radhey Ltd.**

Date	Particulars		L. F.	Amount Dr. (₹)	Amount Cr. (₹)
	Bank A/c	Dr.		5,00,000	

	To Debentures Application A/c (Being Application money received for 5000 debentures @ ₹100)			5,00,000
	Debentures Application A/c Dr. To 6% Debentures A/c (Being application money transferred to 6% debentures A/c)		5,00,000	 5,00,000

(2) जब ऋणपत्रों का निर्गमन बट्टे पर हो किन्तु शोधन सममूल्य पर हो:

उदाहरण 16 : श्याम लि० ने 5000 7% ऋणपत्र प्रत्येक ₹100 वालों को 2% बट्टे पर निर्गमित किये। जिनका शोधन सम मूल्य पर होना है। श्याम लि० की पुस्तकों में ऋणपत्रों के निर्गमन की प्रविष्टियाँ दीजिये।

Shyam Ltd. issued 5000 7% Debentures of ₹100 each at a discount of 2%, which were repayable at par. Give journal entries for the issue of Debentures in the books of Shyam Ltd..

हल : **Journal of Shyam Ltd.**

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr. (₹)	Amount Cr. (₹)
	Bank A/c Dr. To Debentures Application A/c (Being application money received for 5000 debentures @ ₹98 each)		4,90,000	 4,90,000
	Debentures Application A/c Dr. Discount on Issue of Debentures A/c Dr. To 7% Debentures A/c (Being application money transferred to 7% debentures A/c)		4,90,000 10,000	 5,00,000

(3) जब ऋणपत्रों का निर्गमन प्रीमियम पर किया गया हो किन्तु शोधन सम मूल्य पर होना हो:

उदाहरण 17 : ग्रीन लि० ने ₹100 वाले 2000 10% ऋणपत्रों का निर्गमन ₹ 105 प्रति ऋणपत्र की दर से किया। जिनका शोधन सम मूल्य पर किया जाना हैं। ग्रीन लि० की पुस्तकों में निर्गमन की प्रविष्टियाँ कीजिये।

Green Ltd. issued 2000 10% Debentures of ₹10 each at ₹105 per Debentures, which were repayable at par. Give journal entries for the issue in the books of Green Ltd..

हल: **Journal of Green Ltd.**

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr. (₹)	Amount Cr. (₹)
	Bank A/c Dr. To Debentures Application A/c (Being Application money received for 2000 Debentures @ ₹105 each)		2,10,000	 2,10,000
	Debentures Application A/c Dr. To 10% Debentures A/c To Securities Premium A/c (Being Application money transferred to 10% Debentures)		2,10,000	 2,00,000 10,000

(4) जब ऋणपत्रों का निर्गमन सममूल्य पर हो तथा शोधन प्रीमियम पर होना हो:

उदाहरण 18 : सीता लि० ने ₹100 वाले 5000 6% ऋणपत्र सम मूल्य पर निर्गमित किये, जिनका शोधन 5% प्रीमियम पर होना हैं। सीता लि० की पुस्तकों में निर्गमन की प्रविष्टियाँ दीजिये।

Sita Ltd. issued 5000 6% Debentures of ₹100 each at par, which were repayable at 5% premium. Give journal entries for the issue in the books of Sita Ltd.

हल : **Journal of Sita Ltd.**

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr. (₹)	Amount Cr. (₹)
	Bank A/c Dr.		5,00,000	
	To Debentures Application A/c			5,00,000
	(Being application money received for 5000 Debentures)			
	Debentures Application A/c Dr.		5,00,000	
	Loss on Issue of Debentures A/c Dr.		25,000	
	To 6% Debentures A/c			5,00,000
	To Premium on Redemption of Debentures A/c			25,000
	(Being the Debentures issued at par and provided for premium on redemption of debentures)			

(5) जब ऋणपत्रों का निर्गमन बट्टे पर हो तथा शोधन प्रीमियम पर होना हो:

उदाहरण 19 : राम लि० ने ₹100 वाले 4000 7% ऋणपत्र 2% बट्टे पर निर्गमित किये। जिनका शोधन 4% प्रीमियम पर होना हैं। राम लि० की पुस्तकों में निर्गमन से सम्बंधित प्रविष्टियाँ दीजिये।

Ram Ltd. Issued 4000 7% Debentures of ₹100 each at a discount of 2% which were repayable at 4% premium. Give journal entries for the issue of Debentures in the books of Ram Ltd.

हल: **Journal of Ram Ltd.**

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr. (₹)	Amount Cr. (₹)
	Bank A/c Dr.		3,92,000	
	To Debentures Application A/c			3,92,000
	(Being application money received for 4000 debenture @ ₹98each)			
	Debentures Application A/c Dr.		3,92,000	
	Discount on Issue of Debentures A/c Dr.		8,000	
	Loss on Issue of Debentures A/c Dr.		16,000	
	To 7% Debentures A/c			4,00,000
	To Premium on Redemption of Debentures A/c			16,000
	(Being 7% debentures issued at discount and provided for premium payable on redemption)			

(6) जब ऋणपत्रों का निर्गमन प्रीमियम पर हो तथा शोधन भी प्रीमियम पर होना हो:

उदाहरण 20 : व्हाइट लि० ने ₹ 100 वाले 10,000 8% ऋणपत्रों का निर्गमन ₹ 104 प्रति ऋणपत्र की दर पर किया। जिनका शोधन 5% प्रीमियम पर किया जाना है। व्हाइट लि. की पुस्तकों में ऋणपत्रों के निर्गमन की प्रविष्टियाँ दीजिये।

White Ltd. issued 10,000 8% Debentures of ₹ 100each at ₹104 per debenture, which repayable at 5% premium. Give journal entries for the issue of Debentures in the books of White Ltd..

हल : **Journal of White Ltd.**

Date	Particulars	L. F.	Amount Dr. (₹)	Amount Cr. (₹)
	Bank A/c Dr.		10,40,000	
	To Debentures Application A/c			10,40,000
	(Being application money received for 10,000 Debentures)			
	Debentures Application A/c Dr.		10,40,000	

	Loss on Issue of Debentures A/c	Dr.		50,000	
	To 8% Debentures A/c				10,00,000
	To Securities Premium A/c				40,000
	To Premium on Redemption of Debenture A/c				50,000
	(Being 8% debentures issued at premium and provided for premium payable on redemption)				

चिट्ठे में प्रकटीकरण (Disclosure in Balance Sheet): यदि ऋणपत्रों का भुगतान चिट्ठे की तिथि से अगले 12 माह के पश्चात् होना हो तो ऋणपत्रों के **शोधन पर देय प्रीमियम (Premium on Redemption of Debentures)** खाते को चिट्ठे के समता एवं दायित्व भाग में 'Non-Current Liabilities' शीर्षक के उप शीर्षक 'Other Long-Term Liabilities' के अन्तर्गत दर्शाया जाता है और यदि ऋणपत्रों का भुगतान चिट्ठे की तिथि से 12 माह के अन्दर होना हो तो ऐसे ऋणपत्रों को 'Current Liabilities' शीर्षक के उप शीर्षक 'Other Current Liabilities' के अन्तर्गत 'Current Maturities of Long Term Debt' के रूप में दर्शाया जाता है। ऐसी दशा में 'Premium on Redemption of Debentures' को भी 'Current Liabilities' शीर्षक के उप शीर्षक 'Other Current Liabilities' के अन्तर्गत दर्शाया जाता है। **ऋणपत्रों के निर्गमन पर हानि (Loss on Issue of Debentures)** का वह भाग जो चिट्ठे की तिथि से अगले 12 माह के पश्चात् अपलिखित होना है उसे 'संपत्ति' भाग में 'Non-Current Assets' शीर्षक के उप शीर्षक 'Other Non-Current Assets' के अन्तर्गत दर्शाया जाता है तथा ऋणपत्रों के निर्गमन पर हानि (Loss on Issue of Debentures) का वह भाग जो चिट्ठे की तिथि से 12 माह के अन्दर अपलिखित होना हो उसे 'Current Assets' शीर्षक के उपशीर्षक ' Other Current Assets' के अन्तर्गत दर्शाया जाता है।

ऋणपत्रों पर ब्याज
(Interest on Debentures)

कम्पनी द्वारा ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान निर्गमन की शर्तों के अनुसार तिमाही, छमाही या वार्षिक आधार पर पूर्व निश्चित दर से ऋणपत्रों के रजिस्टर्ड स्वामी को किया जाता है। ऋणपत्रों पर ब्याज भुगतान से सम्बंधित निम्न बिंदु ध्यान देने योग्य है :– (1) ऋणपत्रों पर ब्याज कम्पनी के लोभों पर प्रभार (charge against the Profit) है। अतः कम्पनी को लाभ हो या न हो, ब्याज का भुगतान किया जायेगा। (2) ऋणपत्रों पर ब्याज की गणना उनके अंकित मूल्य पर निश्चित दर से की जाती है। (3) समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान नहीं होता है। (4) वर्ष के अंत में ऋणपत्रों पर ब्याज खाते का शेष 'Statement of Profit and Loss' में अंतरित किया जाता है। (5) वर्ष के अंत में ऋणपत्रों पर बकाया ब्याज 'Interest Accrued and Due' या 'Interest Accrued but not Due' को चिट्ठे के समता एवं दायित्व भाग में 'Current Liabilities' शीर्षक के उप शीर्षक 'Other Current Liabilities' के अन्तर्गत दर्शाया जाता है।

ऋणपत्रों पर ब्याज की लेखांकन प्रविष्टियाँ (Accounting Entries of Interest on Debentures): आयकर अधिनियम के अनुसार किसी ऋणपत्रधारी को दिए जाने वाला ब्याज एक निश्चित सीमा से अधिक होता है तो उस पर 10% आयकर काटकर (Tax Deducted at Source) भुगतान किया जाता हैं। कम्पनी द्वारा इस काटे गये कर की राशि को अगले माह की 7 तारीख तक सरकारी खजाने में जमा कराना आवश्यक हैं। यह कर ऋणपत्रधारी की ओर से चुकाया माना जाता है। जिसके लिए कम्पनी उसे कर कटौती का प्रमाण पत्र जारी करती है। ब्याज भुगतान की निम्न प्रविष्टियाँ होंगी:–

(1) ब्याज के देय होने पर : Debenture Interest A/c Dr. (Gross Amount of Interest)
To Debenture holder's A/c (Net Amount Payable)
To Tax Deducted at Source A/c (Amount of TDS)
(Being debenture interest due and income tax deduted)

नोट:– यदि उद्गम स्थान पर कर कटौती की कोई सूचना नहीं हो तो ब्याज की सम्पूर्ण राशि का ऋणपत्रधारियों के खाते में जमा कर भुगतान कर दिया जाएगा।

(2) ब्याज का भुगतान करने पर: Debenture holder's A/c Dr. (Amount paid)
To Bank A/c
(Being amount of debentures interest paid)

(3) आयकर का भुगतान करने पर: Tax Deducted at Source A/c Dr. (Amount of Tax)
To Bank A/c
(Being payment of income tax made)

(4) वर्ष के अंत में ऋणपत्रों पर ब्याज को लाभ–हानि विवरण में अंतरण पर:
Statement of Profit and Loss A/c Dr. (Total amount of interest)
To Debenture Interest A/c
(Being debenture interest A/c transferred)

उदाहरण 21 : चांदनी लि० ने 01 अप्रैल ,2016 को 5000 ₹100 वाले 14% ऋणपत्र निर्गमित किये निर्गमन पूर्ण अभिदत्त हुआ। निर्गमन की शर्तों के अनुसार ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान, छमाही आधार पर 30 सितम्बर व 31 मार्च को 10% आयकर काटकर किया जाना है। कम्पनी की पुस्तकों में ब्याज के भुगतान एवं लाभ–हानि विवरण में अंतरण की प्रविष्टि कीजिये।

Chandani Ltd. issued 5000 14% Debentures of ₹100 each on 01st April, 2016. The issue was fully subscribed. As per terms of the issue, debenture interest was payable half yearly basis on 30th September and 31st March after deducting income tax at the rate 10%. Give journal entries for the payment of interest and transfer to Statement of Profit and Loss.

हल : **Journal of Chandani Ltd.**

Date	Particulars	L.F.	Amount Dr. (₹)	Amount Cr. (₹)
30 Sep.2016	Debentures Interest A/c Dr.		35,000	
	To Debenture holder's A/c			31,500
	To Tax Deducted at Source A/c			3,500
	(Being debenture interest due & income tax deducted)			
	Debenture holder's A/c Dr.		31,500	
	Tax Deducted at Source A/c Dr.		3,500	
	To Bank A/c			35,000
	(Being debenture interest & income tax paid)			
31 Mar,2017	Debenture Interest A/c Dr.		35,000	
	To Debenture Holder's A/c			31,500
	To Tax Deducted at Source A/c			3,500
	(Being debenture interest due & Income tax deducted)			
31 Mar,2017	Debenture holder's A/c Dr.		31,500	
	Tax Deducted at Source A/c Dr.		3,500	
	To Bank A/c			35,000
	(Being debenture interest & income tax paid)			
31 Mar,2017	Statement of Profit & Loss A/c Dr.		70,000	
	To Debenture Interest A/c			70,000
	(Being amount of debenture interest transferred to P&L)			

ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा / हानि को अपलिखित करना
(Writing off Discount / Loss on Issue of Debentures)

ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा तथा हानि (Discount on Issue of Debentures) तथा (Loss on Issue of

Debentures) पूँजीगत हानि है जिसे प्रतिभूति प्रीमियम, पूँजीगत लाभ या पूँजीगत संचय में से अपलिखित किया जा सकता हैं अथवा Statement of Profit and Loss से अपलिखित किया जा सकता हैं। वैसे इन हानियों को अपलिखित करने का समय कम्पनी अधिनियम में निर्धारित नहीं हैं तथापि इन्हें ऋणपत्रों की अवधि में अपलिखित कर दिया जाना चाहिए। अपलेखन की निम्न प्रविष्टि की जाती है:–

(1) **पूँजीगत लाभों से अपलेखन पर:** Securities Premium A/c Dr.
Capital Reserve A/c Dr.
Capital Profit's A/c Dr.
To Discount on Issue of Debentures A/c
To Loss on Issue of Debentures A/c

(2) लाभ–हानि विवरण से अपलेखन पर: Statement of Profit and Loss A/c Dr.
To Discount on Issue of Debentures A/c
To Loss on Issue of Debentures A/c

लाभ–हानि विवरण (Statement of Profit and Loss) से हानि को अपलिखित करने की दो विधियाँ हैं:–

(1) बराबर किश्त विधि (Equal Instalment Method)– जब ऋणपत्रों का शोधन एक निश्चित अवधि के पश्चात् एकमुश्त किया जाता हैं तो उस स्थिति में कुल हानि को उस अवधि में बराबर–बराबर बांटकर अपलिखित किया जाता है।

Yearly Amount to be Written Off = Total Loss/Period of Debentures

मान लीजिये– रमेश लि० 1,00,000 ₹ के ऋणपत्र 10% बट्टे पर जारी करती है जिनका शोधन 5 वें वर्ष के अंत में होना है। इस दशा में लाभ–हानि विवरण से प्रतिवर्ष (10% of 1,00,000) / 5 = ₹ 2000 अपलिखित किये जायेंगे।

(2) बकाया ऋणपत्रों का अनुपात विधि (Ratio of Outstanding Debentures Method) – जब ऋणपत्रों का शोधन किश्तों में किया जाता है तो हानि की राशि का अपलेखन, प्रतिवर्ष ऋणपत्रों की प्रयुक्त की गई राशि के अनुपात में किया जायेगा।

उदाहरण 22 : सचिन लि० ने 01 अप्रैल, 2013 को ₹100 वाले 1000 6% ऋणपत्र 5% बट्टे पर निर्गमित किये जिनका शोधन भी 5% प्रीमियम पर होना हैं।कम्पनी की पुस्तकों में Loss on Issue of Debentures A/c बनाईये, यदि :

(अ) ऋणपत्रों का शोधन 5वें वर्ष के अंत में किया जाना है।

(ब) ऋणपत्रों का शोधन 5 वर्षों में प्रतिवर्ष बराबर राशि में किया जाना हैं।

Sachin Ltd. issued 1000 6% Debentures of ₹100each at 5% discount on 01st April, 2013. Which were repayable at 5% premium. Prepare 'Loss on Issue of Debentures A/c' in the books of the company If

(A) Debentures are repayable at the end of 5th year.

(B) Debentures are repayable in each year with equal amounts during 5 years

हल: ऋणपत्रों के निर्गमन पर कुल हानि = ₹ 5,000 (बट्टा) + ₹ 5,000 (शोधन पर प्रीमियम) = ₹ 10,000 होगी। इसे अपलिखित किया जाना है।

(अ) जब ऋणपत्रों का शोधन 5वें वर्ष के अंत में किया जाना हो :

तो 5 वर्षों के दौरान ऋणपत्रों की समान राशि प्रयुक्त हुई। अतः कुल हानि भी 5 वर्षों में बराबर बांटी जाएगी। प्रतिवर्ष (10,000 / 5) = ₹ 2000 हानि अपलिखित होगी।

Dr. Loss on Issue of Debentures A/c Cr.

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2013 1 April	To 6% Debentures A/c	5,000	2014 31 Mar.	By Statement of Profit & Loss A/c	2,000
	To Premium on Redemption of Debentures A/c	5,000	2014 31 Mar.	By Balance c/d	8,000

		10,000			**10,000**
2014 1 April	To Balance b/d	8,000	2015 31 Mar. 31 Mar.	By Statement of Profit & Loss A/c By Balance c/d	2,000 6,000
		8,000			**8,000**
2015 1 April	To Balance b/d	6,000	2016 31 Mar.	By Statement of Profit & Loss A/c By Balance c/d	2,000 4,000
		6,000			**6,000**
2016 1 April	To Balance b/d	4,000	2017 31 Mar.	By Statement of Profit & Loss A/c By Balance c/d	2,000 2,000
		4,000			**4,000**
2017 1 April	To Balance b/d	2,000	2018 31 Mar.	By Statement of Profit & Loss A/c	2,000
		2,000			**2,000**

(ब) ऋणपत्रों का शोधन 5 वर्षो में प्रतिवर्ष बराबर राशि का किया जाना है :

अर्थात प्रतिवर्ष 1,00,000 ÷ 5 = ₹ 20,000 का शोधन किया जाना है तो प्रत्येक वर्ष के अंत में शोधन से पूर्व बकाया ऋणपत्रों की राशि (उस वर्ष में प्रयुक्त ऋणपत्र राशि) क्रमशः ₹ 100000 , ₹ 80000 , ₹ 60000 , ₹ 40000 एवं ₹ 20000 होगी। इसी राशि के अनुपात अर्थात 5: 4 : 3 : 2 : 1 में ऋणपत्र निर्गमन की कुल हानि = ₹ 10000 को विभाजित किया जायेगा एवं तदनुसार लाभ – हानि विवरण खाते में अंतरण कर अपलिखित किया जायेगा ।

2013 – 14 = $\frac{5}{15}$ X 10000 = ₹ 3333 ;

2014 – 15 = $\frac{4}{15}$X 10000 = ₹ 2667

2015 – 16 = $\frac{3}{15}$ X 10000 = ₹ 2000 ;

2016 – 17 = $\frac{2}{15}$x 10000 = ₹ 1333

2017 – 18 = $\frac{1}{15}$ X 10000 = ₹ 667

Loss on Issue of Debentures Account

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particular	Amount ₹
2013 April,1	To 6% debentures A/c To Premium on Redemption of Debentures a/c	5000 5000	2014 Mar. 31	By Statement of P & L A/c By balance c/d	3333 6667
		10,000			**10,000**
2014 April,1	To balance b/d	6,667	2015 Mar. 31	By Statement of P & L A/c By balance c/d	2,667 4,000
		6,667			**6,667**
2015 April,1	To balance b/d	4,000	2016 Mar. 31	By Statement of P & L A/c By balance c/d	2,000 2,000
		4,000			**4,000**

2016 April,1	To balance b/d	2,000	2017 Mar. 31	By Statement of P & L A/c By balance c/d	1,333 667
		2,000			**2,000**
2017 April,1	To balance b/d	667	2018 Mar. 31	By Statement of P & L A/c	667
		667			**667**

उदाहरण – 23 : सौरभ लि. ने 01 अप्रैल 2013 को ₹100 वाले 3000, 7% ऋणपत्रों का 12% बट्टे पर निर्गमन किया। जिनका शोधन 31मार्च 2016 से प्रतिवर्ष ₹1,00,000 करना है। प्रथम 5 वर्षों का "ऋण पत्र निर्गमन बट्टा खाता" बनाइये।

Sourabh Ltd. issued 3000, 7% Debentures of ₹100 each at 12% discount on 01st April,2013 ,which were repayable ₹1,00,000 per year from 31st March 2016. Prepare Discount on Issue of Debentures A/c for first 5 years.

हल : कुल बट्टा = 12% of 3,00,000 = ₹ 36000 है। चूँकि ऋणपत्रों का शोधन तीसरे वर्ष के अंत से प्रतिवर्ष ₹ 1,00,000 करना है। अतः ऋणपत्रों की प्रयुक्त हुई राशि के अनुपात में बट्टे का अपलेखन किया जायेगा।

Statement showing amount of discount to be written off

Year endeed on (1)	Normal value of debentures outstanding before redemption (₹) (2)	Ratio (3)	Amunt of discount to be written off (₹) (4)
31.03.2014	300000	3	$36000\ X\frac{3}{12} = 9000$
31.03.2015	300000	3	$36000\ X\frac{3}{12} = 9000$
31.03.2016	300000	3	$36000\ X\frac{3}{12} = 9000$
31.03.2017	200000	2	$36000\ X\frac{2}{12} = 6000$
31.03.2018	100000	1	$36000\ X\frac{1}{12} = 3000$

Discount of Issue of Debentures Account

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2013, April 1	To 7% Debenture A/c	36,000	2013, Mar. 31	By Statement of P & L By balance b/d	9,000 27,000
		36,000			**36,000**
2014, April 1	To balance b/d	27,000	2014, Mar. 31	By Statement of P & L By balance b/d	9,000 18,000
		27,000			**27,000**

2015, April 1	To balance b/d	18,000	2015, May 31	By Statement of P & L	9,000
				By balance b/d	9,000
		18,000			**18,000**
2016, April 1	To balance b/d	9,000	2016, May 31	By Statement of P & L	6,000
				By balance b/d	3,000
		9,000			**9,000**
2017, April 1	To balance b/d	3000	2017, May 31	By Statement of P & L	3,000
		3,000			**3,000**

सारांश (Summary)

- **कंपनी का अर्थ** – कंपनी एक ऐसा संगठन है जिसका निर्माण एक व्यवसाय को चलाने हेतु व्यक्तियों के समूह द्वारा कानून की एक प्रकिया पूर्ण करने पर होता है इसके सदस्यों को अंशधारी कहा जाता है–
- **कंपनी के प्रकार** – कंपनियाँ तीन प्रकार की होती हैं
  (1) एक व्यक्ति वाली कंपनी (2) निजी कंपनी और (3) सावर्जनिक कंपनी
- **दायित्व के आधार पर कंपनी के प्रकार**

(1) अंशों द्वारा सीमित कंपनी (2) गारंटी द्वारा सीमित कंपनी (3) असीमित कंपनी

- **अंशों के प्रकार** – अंश दो प्रकार के होते हैं : 1. पूर्वाधिकार अंश 2. समता अंश
- **पूर्वाधिकार अंशों के प्रकार** – पूर्वाधिकार अंश अनेक प्रकार के होते हैं : 1. असंचयी पूर्वाधिकार अंश 2. संचयी पूर्वाधिकार अंश 3. अवशिष्ट भागी पूर्वाधिकार अंश 4. अनावशिष्ट भागी पूर्वाधिकार अंश 5. परिवर्तनीय पूर्वाधिकार अंश 6. अपरिवर्तनीय पूर्वाधिकार अंश 7. शोधनीय पूर्वाधिकार अंश 8. अशोधनीय पूर्वाधिकार अंश
- **अंश पूँजी के प्रकार** – चिट्ठे में निरूपण की दृष्टि से अंश पूँजी के निम्न वर्ग है :

1. अधिकृत पूँजी 2. निर्गमित पूँजी 3. प्रार्थित पूँजी 4. मांगी गई पूँजी 5. प्रदत्त पूँजी

- **संचित पूँजी** – संचित पूँजी से आशय न मांगी गई पूँजी के उस भाग से है जिसे कंपनी द्वारा विशेष प्रस्ताव पारित करके भविष्य में समापन के समय ही मांगने के लिए सुरक्षित कर दिया गया है।
- **अंशों का निर्गमन** – एक कंपनी अंशों का निर्गमन निम्न उद्देश्य से कर सकती हैं : 1. रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल के लिए 2. रोकड़ के लिए
- **अंशों का निर्गमन मूल्य** – 1. सम मूल्य पर निर्गमन 2. प्रीमियम पर निर्गमन
- **अंशों पर भुगतान** – रोकड़ हेतु निर्गमित अंशों पर कंपनी द्वारा भुगतान निम्न प्रकार से प्राप्त किया जा सकता है 1. आवेदन पर एक मुश्त , 2. संपूर्ण राशि किश्तों में (यथा – आवेदन , बंटन , मांग पर)
- **अंश निर्गमन की प्रक्रिया** – 1. प्रविवरण का निर्गमन 2. अंशों के लिए आवेदन 3. अंशों का आबंटन 4. आबंटन पत्र भेजना 5. रजिस्टार को आबंटन रिटर्न भेजना
- **प्रतिभूति प्रीमियम के उपयोग** – एक कंपनी प्रतिभूति प्रीमियम का प्रयोग सदस्यों को पूर्णप्रदत बोनस अंश देने में , प्रारंभिक व्यय , अंशों एवं ऋणपत्रों के निर्गमन पर दिए गए कमीशन , ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा , पूर्वाधिकार अंशों एवं ऋणपत्रों के शोधन पर देय प्रीमियम को अपलिखित करने में तथा अपने अंश क्रय करने में कर सकती है
- **ऋणपत्रों के प्रकार** – ऋणपत्र अनेक प्रकार के होते हैं: 1. सुरक्षित ऋणपत्र 2. असुरक्षित ऋणपत्र 3. शोधनीय ऋणपत्र 4. अशोधनीय ऋणपत्र 5. पंजीकृत ऋणपत्र 6. वाहक ऋणपत्र 7. प्रथम ऋणपत्र 8. द्वितीय ऋणपत्र 9. निश्चित ब्याज दर वाले ऋणपत्र 10. शून्य ब्याज दर वाले ऋणपत्र 11. परिवर्तनीय ऋणपत्र 12. अपरिवर्तनीय ऋणपत्र
- **ऋणपत्रों का निर्गमन** – ऋणपत्रों का निर्गमन सममूल्य पर, प्रीमियम पर अथवा बट्टे पर किया जा सकता हैं। जब ऋणपत्रों को अंकित मूल्य से कम मूल्य पर जारी किया जाये तो यह बट्टे पर निर्गमन कहलाता है।
- **ऋणपत्रों का रोकड़ के अतिरिक्त प्रतिफल के रूप में निर्गमन** – जब कंपनी द्वारा विक्रेताओं , आपूर्तिकर्ताओं को या सम्पति के बदले ऋणपत्रों का निर्गमन किया जाये तो यह रोकड़ के अतिरिक्त प्रतिफल के रूप में ऋणपत्रों का निर्गमन कहलाता है।

• **समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्र –** जब किसी कंपनी द्वारा बैंक आदि से लिए गए ऋण की मुख्य प्रतिभूति के अलावा अतिरिक्त जमानत के रूप में बैंक को ऋणपत्र निर्गमित किये जाते हैं तो वे समपार्श्विक प्रतिभूति ऋणपत्र कहलाते हैं।

• **बांड –** किसी भी सरकारी, अर्धसरकारी संस्था या गैर सरकारी संस्था द्वारा ऋण की अभिस्वीकृति के रूप में बांड जारी किये जाते हैं। बांड व ऋणपत्र में प्रमुख अंतर है कि ऋणपत्र पूर्व निश्चित ब्याज दर के साथ निर्गमित किये जाते है जबकि बांड बिना पूर्व निर्धारित ब्याज दर के जारी किये जाते हैं। जैसे – डीप डिस्काउंट बांड तथा शून्य कूपन बांड।

शब्दावली (Glossary)

अंश(Share)– एक कंपनी की पूँजी निर्धारित मूल्य वाली छोटी छोटी इकाइयों में विभक्त होती है (जैसे ₹1 , ₹5 , ₹10, ₹100 आदि) और ऐसी प्रत्येक इकाई अंश कहलाती है।

अंश पूँजी (Share Capital)– अंश पूँजी से आशय उस राशि से है जिसे एक कंपनी अंशों का निर्गमन कर एकत्रित कर सकती है या एकत्रित कर चुकी है।

पूर्वाधिकार अंश (Preference Share)– वे अंश जिनके धारकों को समता अंशधारियों से पूर्व लाभांश प्राप्त करने का तथा समापन की दशा में समता अंशधारियों से पूर्व पूँजी वापिस प्राप्त करने का पूर्वाधिकार होता है।

समता अंश (Equity Share)– वे अंश जो पूर्वाधिकार अंश नहीं है। सामान्यतः समता अंशों के धारक ही कंपनी के वास्तविक स्वामी कहलाते है।

अधिकृत पूँजी (Authorised Capital)– कंपनी के पार्षद सीमानियम में वर्णित पूँजी की वह अधिकतम राशि , जिससे अधिक अंशों का निर्गमन कंपनी नहीं कर सकती।

निर्गमित पूँजी (Issued Capital)– अधिकृत पूँजी का वह भाग जिसे कंपनी द्वारा अभिदान के लिये जनता में निर्गमित किया गया हो।

प्रार्थित पूँजी (Subscribed Capital) – निर्गमित पूँजी का वह भाग जिसके लिए अभिदान किया जा चुका हो।

मांगी गई पूँजी (Called up Capital)– प्रार्थित पूँजी का वह भाग जिसे कंपनी द्वारा अंशधारियों से माँगा जा चुका हो।

प्रदत्त पूँजी (Paid up Capital)– कंपनी द्वारा मांगी गई पूँजी का वह भाग जिसका भुगतान अंशधारियों द्वारा कर दिया गया हो अर्थात मांगी गई पूँजी में से बकाया मांग घटाकर बची शेष राशि ही प्रदत्त पूँजी होगी।

न्यूनतम अभिदान राशि (Minimum Subscription) – कंपनी के प्रविवरण में वर्णित वह न्यूनतम राशि जिसके लिए अभिदान प्राप्त होने तथा इस अभिदान के आवेदन पत्रों पर देय राशि प्राप्त होने पर ही अंशों का आबंटन किया जा सकता है। सामान्यतः न्यूनतम अभिदान संपूर्ण निर्गमन का कम से कम 90% के बराबर अभिदान होता है।

अंश प्रमाण पत्र (Share Certificate) – कंपनी की सार्वमुद्रा के अधीन जारी किया वह प्रमाण पत्र जो इस बात का प्रथम दृष्टया साक्ष्य है कि उनमें वर्णित अंशधारी उन अंशों का स्वामी है।

प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव(Initial Public Offer or IPO)– कंपनी द्वारा अंशों के अभिदान हेतु जनता को आमंत्रित करने हेतु किये गए प्रस्ताव को प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव कहा जाता है।

बकाया मांग (Calls-in-Arrear)– कंपनी द्वारा अंशों के सम्बन्ध में मांगी गई वह राशि जिसका भुगतान अंशधारी द्वारा नहीं किया गया हो , बकाया मांग कहलाता है।

अग्रिम मांग (Calls-in-Advance)– कंपनी द्वारा न मांगी गई ऐसी राशि जिसका भुगतान अंशधारी द्वारा कर दिया गया हो तथा अन्तर्नियमों के अनुसार कंपनी ने स्वीकार कर लिया हो, अग्रिम मांग कहलाती हैं।

न्यून अभिदान (Under Subscription)– जब एक कंपनी को प्रस्तावित अंशों की तुलना में कम अंशों के लिए आवेदन प्राप्त होते हैं तो इसे न्यून अभिदान कहा जाता है।

अधि अभिदान (Over Subscription)– जब एक कंपनी को प्रस्तावित अंशों की तुलना में अधिक अंशों के लिये आवेदन प्राप्त होते हैं तो यह स्थिति अधि अभिदान कहलाती है।

आनुपातिक आधार पर बंटन (Pro-rata Allotment) – आनुपातिक बंटन से आशय किसी वर्ग के समस्त आवेदकों को बंटित किये गए कुल अंशों का उस वर्ग के कुल आवेदनों से अनुपात, से है।

अंशों का आबंटन (Allotment of Shares)– कंपनी के संचालकों द्वारा विभिन्न प्रावधानों के तहत अंशों के आवेदकों के मध्य अंशों का बंटवारा करने से है।

अंशों की निजी व्यवस्था (Private Placement)– ऐसा निर्गमन जो सार्वजानिक निर्गमन नहीं है बल्कि अंश चुने हुए व्यक्तियों या व्यक्तियों के समूह को निर्गमित किये जाते हैं, अंशों का निजी रूप से निर्गमन कहलाता है।

स्वेट समता अंश (Sweat Equity Share)– ऐसे समता अंश जो किसी कंपनी द्वारा अपने संचालकों, कर्मचारियों को बट्टे पर या रोकड़ के अतिरिक्त प्रतिफल के लिये , तकनीकी ज्ञान या बौद्धिक संपदा अधिकार उपलब्ध कराने के लिए जारी किये जाते हैं।

अधिकार अंश (Right Share)– अंश पूँजी वाली कंपनी जब भी अपनी अभिदत्त पूँजी में वृद्धि के लिए अतिरिक्त अंश निर्गमित करने का प्रस्ताव रखती हैं तो ये अंश प्रस्ताव की तिथि को कंपनी के समता अंशधारियों को प्रस्तावित किये जाते हैं। ये अंश वर्तमान अंशधारियों को कंपनी अधिनियम द्वारा प्रदत्त अधिकार के अंतर्गत मिलते हैं अतः ये अधिकार अंश कहलाते हैं।

कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (Employee Stock Option Plan or ESOP)– कर्मचारी स्टॉफ विकल्प से आशय कंपनी के संचालकों, अधिकारियों या कर्मचारियों को कंपनी के अंश भावी तिथि को पूर्व निर्धारित मूल्य पर क्रय करने के दिए गए अधिकार के विकल्प से है।

एस्क्रो खाता (Escrow Account)– एस्क्रो खाते से आशय उस खाते से है जिसमें राशि उस समय तक जमा रखी जाती है, जब तक की निश्चित शर्त या कार्य पूरा नहीं हो जाए। कंपनियों द्वारा "अपने अंशों का क्रय" योजना के तहत राशि बैंक में खोले गए एस्क्रो खाते में तब तक जमा रखनी होती है जब तक दायित्वों का निर्वहन न हो जाए।

ऋणपत्र (Debenture)– ऋणपत्र से आशय एक कंपनी द्वारा जारी प्रलेख से है जो धारक से प्राप्त ऋण के प्रमाण के रूप में दिया जाता है।

अभ्यासार्थ प्रश्न(Questions for Excercise)

बहुचयनात्मक प्रश्न (Multiple Choice Questions)

1. चिट्ठे के समता एवं दायित्वों के भाग की कुल राशि में सम्मिलित होती है।
(Total amount of equity and liabilities part of the Balance Sheet includes the following):
(अ) अधिकृत पूँजी (authorised capital) (ब) निर्गमित पूँजी (issued capital)
(स) प्रार्थित पूँजी (subscribed capital) (द) चुकता पूँजी (paid up capital)

2. अंशों के निर्गमन पर प्राप्त प्रीमियम को दर्शाया जाता हैं(Premium received on issue of shares is shown on)
(अ) चिट्ठे के समता एवं दायित्व भाग पर (Equity & Liabilities part of the balance sheet)
(ब) चिट्ठे के सम्पति भाग पर (Assets part of the balance sheet)
(स) लाभ–हानि विवरण के आय भाग पर (Income part of the statement of profit & loss)
(द) लाभ–हानि विवरण के व्यय भाग पर (Expenses part of the statement of profit & loss)

3. समता अंशधारी होते हैं (Equity shareholders are) :
(अ) कंपनी के ग्राहक (customers of the company) (ब) कंपनी के अधिकारी (officers of the company) (स) कंपनी के लेनदार(creditors of the company) (द) कंपनी के स्वामी (owners of the company)

4. अंशों के निर्गमन पर प्रीमियम का उपयोग नहीं किया जा सकता
(Premium on issue of shares cannot be used for) :
(अ) सदस्यों को बोनस अंश निर्गमित करने के लिए(For issuing bonus shares to members)
(ब) सदस्यों को लाभांश बांटने के लिए(For paying dividend to members)
(स) प्रारंभिक व्ययों के अपलेखन के लिए(For writing off preliminary expenses)
(द) ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा अपलेखन के लिए(For writing off discount on issue of debentures)

5. सारणी एफ के अनुसार कंपनी अग्रिम मांग पर ब्याज दे सकती है
(As per table F a company can pay interest on calls-in-advance at) :
(अ) 8% (ब) 10% (स) 12% (द) 14%

6. न मांगी गई पूँजी का वह भाग जिसे कंपनी के समापन पर ही माँगा जा सकता है, कहलाता है।(The part of uncalled capital which can be called up only when the company being wound up is called):
(अ) निर्गमित पूँजी (Issued capital) (ब) संचित पूँजी (Reserve capital)

(स) पूँजी संचय (capital reserve) (द) अनिर्गमित पूँजी (Unissued capital)

7. ऋणपत्रधारी होते है (Debenture holders are) :

(अ) कंपनी के स्वामी (owners of the company) (ब) कंपनी के ग्राहक (Customers of the company)

(स) कंपनी के ऋणदाता (Loan providers of the company) (द) इनमें से कोई नहीं (None of these)

8. ऋणपत्रधारी प्राप्त करते है (Debenture holders receive):

(अ) लाभ (Profit) (ब) लाभांश (Dividend) (स) किराया (Rent) (द) ब्याज (Interest)

9. ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा या हानि, जो चिट्ठे की तिथि से 12 माह पश्चात् या संचालन चक्र की अवधि के पश्चात् अपलिखित होगा, दर्शाया जाता है (Discount or loss on issue of debentures to be written off after 12 months from the date of balance sheet or after the period of operating cycle is shown as):

(अ) अन्य गैर चालू संपत्तियां (Other non-current assest)

(ब) अन्य गैर चालू दायित्व (Other non-current liabilities)

(स) अन्य चालू सम्पत्तियां (other current assets)

(द) अन्य चालू दायित्व (other current liabilities)

10. ऐसे ऋणपत्र जो समता अंशों में परिवर्तित किये जा सकते है, कहलाते हैं (The debentures which can be converted into equity shares are called):

(अ) शोधनीय ऋणपत्र (Redeemable debentures) (ब) पंजीकृत ऋणपत्र (Registered debentures)

(स) वाहक ऋणपत्र (Bearer debentures) (द) परिवर्तनीय ऋणपत्र (Convertible debentures)

11. ऋणपत्रों के समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमन की स्थिति में, यदि प्रविष्टि की जाती है तो किस खाते को नामे किया जाएगा (In the case of issue of debentures as collateral security, if entry is pass which account will be debited):

(अ) ऋण खाता (Loan account) (ब) ऋणपत्र खाता (Debenture account)

(स) ऋणपत्र उचन्त खाता (Debenture suspense account) (द) बैंक खाता (bank account)

बहुचयनात्मक प्रश्नों के उत्तर

उत्तर :	(1) द	(2) अ	(3) द	(4) ब	(5) स	(6) ब	(7) स	(8) द	(9) अ	(10) द	(11) स

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न (Very Short Answer Type Questions) :

1. कंपनी को परिभाषित कीजिये। (Define a company?)
2. एक व्यक्ति वाली कंपनी क्या है?(What is one person company?)
3. अंश से क्या आशय है?(What is meant by share?)
4. अंशों के दो प्रकारों के नाम बताइये?(Name of two types of share.)
5. पंजीकृत पूँजी का अर्थ बताईये।(Give the meaning of registered capital.)
6. निर्गमित पूँजी से क्या आशय है?(What is meant by issued capital?)
7. अभिदत्त अंश पूँजी से क्या आशय है?(What is meant by subscribed capital?)
8. अधि अभिदान से क्या आशय है?(What do you mean by oversubscription?)
9. परिवर्तनीय पूर्वाधिकार अंश से क्या आशय है?(What is meant by convertible preference share?)
10. अंश आबंटन से क्या आशय हैं ? (What is meant by allotment of shares?)
11. अंशों के यथानुपात बंटन से क्या आशय है?(What is meant by pro-rata allotment of shares?)
12. अंशों के प्रीमियम पर निर्गमन से क्या आशय है?(What is meant by issue of share at premium?)
13. कंपनी अधिनियम ,2013 के अन्तर्गत क्या एक कंपनी अपने अंश बट्टे पर निर्गमित कर सकती है?(Under the Companies Act 2013, can a company issue it's shares at discount?)
14. बकाया मांग का अर्थ बताईये।(Give the meaning of calls-in-arrears.)
15. ऋणपत्र का अर्थ बताइये। (Give the meaning of debenture?)
16. बांड क्या है? (What is bond?)
18. सुरक्षित ऋणपत्र से क्या आशय है?(What is meant by secured debenture?)

19. अपरिवर्तनीय ऋणपत्रों से क्या आशय है?(What is meant by non convertible debentures?)
20. अंश एवं ऋणपत्र में क्या अन्तर है?(What is the difference between shares and debentures?)
21. समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों के निर्गमन से क्या आशय है?(What is meant by issue of debentures as collateral security?)
22. ऋणपत्रों पर ब्याज की प्रकृति क्या है?(What is the nature of interest on debentures?)
23. ऋणपत्रों के निर्गमन पर हानि से क्या आशय है?(What is meant by loss on issue of debentures?)

लघूत्तरात्मक प्रश्न (Very Short Answer Type Questions) :

1. कंपनी की मुख्य विशेषताएं क्या है?(What are the main characteristics of a company?)
2. निजी कंपनी क्या है?(What is private company?)
3. अंशों द्वारा सीमित कंपनी से आपका क्या आशय है?
(What do you mean by the company limited by shares?)
4. समता अंश व पूर्वाधिकार अंश में चार अंतर बताइये?
(Give four differences between equity share and preference shares).
5. अधिमान अंशों के तीन प्रकार स्पष्ट करिये।(Explain three types of the preference shares.)
6. संचित पूँजी से क्या आशय है?(What is meant by reserve capital?)
7. प्रतिभूति प्रीमियम खाते के उपयोग से सम्बंधित धारा–52 के प्रावधान बताइये।
State the provisions in section 52 for the utilisation of Securities Premium Account.)
8. न्यूनतम अभिदान से आप क्या समझते है?(What do you mean by minimum subscription?)
9. स्वेट समता अंशों से क्या आशय है?(What is meant by Sweat Equity Shares?)
10. कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना का अर्थ लिखिए।(Write meaning of the Employee Stock Option Plan.)
11. एस्क्रो खाते के बारे में समझाइये।(Explain about Escrow Account.)
12. ऋणपत्र कितने प्रकार के होते है?(What are the types of debentures?)
13. अंश एवं ऋणपत्र में चार अंतर बताइये।(Give any four points of difference between shares and debentures.)
14. समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों का निर्गमन का अर्थ एवं लेखांकन व्यवहार समझाइये।
Explain the meaning and accounting treatment of issue of debentures as collateral security.
15. तरुणा लि० ने ₹4,00,000 का भवन और ₹2,60,000 का संयंत्र एवं मशीनरी हरी से खरीदी । क्रय मूल्य का भुगतान ₹100 वाले 8% ऋणपत्रों का 10% प्रीमियम पर निर्गमन द्वारा किया गया। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिऐ।
Tarun Ltd. purchased building for ₹4,00,000 and plant and machinery for ₹2,60,000 from Hari. The purchase price was paid by issuing 8% debentures of ₹100 each at a premium of 10%. Give necessary journal entries.
16. अभिनव लिमिटेड ने ₹100 वाले 2000, 9% ऋणपत्र 4% बट्टे पर निर्गमित किये, जिनका शोधन 5% प्रीमियम पर होगा। अभिनव लिमिटेड की पुस्तकों में ऋणपत्रों के निर्गमन के समय की जाने वाली जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये।
Abhinav Ltd. issued 2000, 9% debentures of ₹100 each at 4% discount which will be redeemed at 5% premium. Pass journal entries in the books of Abhinav Ltd. at the time of issue of debentures.
17. 'बकाया ऋणपत्र' एवं 'ऋणपत्रों के निर्गमन पर हानि' को चिट्ठे में किन शीर्षकों के अंतर्गत दर्शाया जायेगा।
'Debentures outstanding' and 'Loss on Issue of Debenture' will be shown under which heads of the balance sheet.

निबंधात्मक प्रश्न (Essay Type Questions)

1. कंपनी से आप क्या समझते हैं? इसकी आवश्यक विशेषताएँ एवं कंपनी के विभिन्न प्रकारों को बताइये।
What do you mean by company. State it's essential features and different types of companies?
2. समता अंश एवं पूर्वाधिकार अंश में क्या अंतर है? बताइये।
What is the difference between Equity Shares and Preference Shares? Explain.
3. अंश पूँजी के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए?

Describe the different types of share capital.

4. पूर्वाधिकार अंश से क्या आशय है? पूर्वाधिकार अंश के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।

What is meant by Preference Shares? Describe the different kinds of Preference Shares.

5. ऋणपत्र से क्या आशय है? ऋणपत्र के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिये।

What is meant by Debentures? Describe the different kinds of debentures.

6. अंश एवं ऋणपत्र में अंतर लिखिये?

Write the differences between Shares and Debentures?

आंकिक प्रश्न (Numerical Questions)

1. सोना लि. ने मोना लि. से ₹ 10,00,000 की मशीन एवं ₹ 5,00,000 का फर्नीचर खरीदा। सोना लि0 ने 40% राशि का चैक से एवं शेष राशि के लिए ₹10 वाले समता अंश 20% प्रीमियम पर जारी कर भुगतान किया। उक्त व्यवहारों को दर्ज करने के लिए सोना लि0 की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां दीजिये।

Sona Ltd. purchased machinery of ₹10,00,000 and furniture of ₹ 5,00,000 from Mona Ltd.. Sona Ltd. paid 40% of the amount by the cheque and for the balance amount by issue equity shares of ₹10 each at a premium of 20%. Pass necessary journal entries to record the above transactions in the books of Sona Ltd..

उत्तर : (75,000 equity shares to be issued)

2. जैन लि. ने 6,00,000 की मशीन कमल से खरीदी। 50% भुगतान चैक द्वारा किया गया तथा शेष राशि के लिए कंपनी ने समता अंश ₹10 वाले 20% प्रीमियम पर निर्गमित किये। उपर्युक्त व्यवहारों की जैन लि0 की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये।

Jain Ltd. purchased a machine of ₹6,00,000 from Kamal - 50% of the payment was made by cheque and for the remaining the company issued equity shares of ₹10 each at a premium of 20%. Give necessary journal entries in the books of Jain Ltd. for the above transactions.

उत्तर : (25000 equity share to be issued)

3. कोहिनूर लि0 की अधिकृत पूँजी ₹10,00,000 थी जो की ₹100 वाले 10000 समता अंशों में विभक्त है। इन अंशों में से 8000 समता अंश जनता को निर्गमित किये गए। समस्त अंकित मूल्य आवेदन पर देय था। जनता के द्वारा सभी अंशों के लिये अभिदान किया गया एवं समस्त धनराशि चुका दी। कोहिनूर लि0 की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये।

The authorised capital of Kohinoor Ltd. was ₹10,00,000 which is divided into 10000 equity shares of ₹ 100 each. Out of these shares 8000 equity shares were issued to the public. The full nominal value is payable on application. All the shares were subscribed by the public and total amount was paid for. Give necessary journal entries in the books of Kohinoor Ltd..

4. राखी लि. का पंजीयन ₹20,00,000 की अधिकृत पूँजी जो ₹100 वाले 12000 समता अंशों एवं ₹100 वाले 8000, 8% पूर्वाधिकार अंशों में विभाजित थी, से हुआ। कंपनी ने 5000 समता अंश एवं 2000 पूर्वाधिकार अंश जनता को निम्न शर्तों पर प्रस्तावित किये

Rakhi Ltd. was registered with an authorized capital of ₹20,00,000 divided into 12000 equity shares of ₹100 each and 8000, 8% preference shares of ₹100 each. 5000 equity shares and 2000 preference shares were offered to public on the following terms:

	Equity Share (₹)	Preference Share (₹)
Payable on application per share (आवेदन पर देय प्रति अंश)	25	25
Payable on allotment per share (बंटन पर देय प्रति अंश)	25	45
Payable on first call per share (प्रथम मांग पर देय प्रति अंश)	25	30
Payable on second and final call per share (अंतिम मांग पर देय प्रति अंश)	25	-

सभी अंशों के लिए आवेदन किया गया एवं बंटन किया गया। समस्त देय राशियाँ समय पर प्राप्त हो गई। राखी लि0 की पुस्तकों में उक्त व्यवहारों को दर्ज करने के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये तथा अंश पूँजी को चिट्ठे में प्रदर्शित कीजिये।

All the shares were applied for and allotted. All money was duly received. Give necessary journal entries to record the above transactions in the books of Rakhi Ltd. and show the share capital in the balance sheet.

उत्तर: (paid up share capital ₹ 7,00,000)

5. गजेंद्र लि0 ने ₹10 वाले 30000 समता अंश अभिदान के लिए जनता को प्रस्तावित किये। प्रति अंश राशि इस प्रकार देय थीः आवेदन पर ₹3, बंटन पर ₹4 तथा शेष आवश्यकता पड़ने पर। 50,000 अंशों के लिए प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। 10,000 अंशों के आवेदकों को कोई अंश बंटित नहीं किये, उनकी आवेदन राशि लौटा दी गई। शेष आवेदकों को अंशों का यथानुपात बंटन किया गया। आबंटन राशि समय पर प्राप्त हो गई। उक्त व्यवहारों की जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये तथा चिठ्ठा तैयार कीजिये।

Gajendra Ltd. offered for subscription 30,000 equity shares of ₹ 10 each to public. Per share amount was payable as follows: on application ₹ 3 , on allotment ₹ 4 and balance as and when required. Applications were received for 50,000 shares, No share was allotted to the applicants of 10,000 shares, their application money was refunded. Shares were allotted to remaining applicants on pro-rata basis, allotment money was received in due time. Give journal entries for above transactions and prepare the balance sheet.

उत्तर : (चिटठे का योग ₹ 2,10,000)

6. ललिता लि0 की स्थापना ₹ 10,00,000 की अधिकृत पूँजी से की गई जो कि ₹ 10 वाले 1,00,000 समता अंशों में विभाजित थी। कंपनी ने जनता में 75,000 समता अंश ₹ 11 प्रति अंश के हिसाब से निर्गमित किये , जो इस प्रकार देय हैः आवेदन पर ₹ 3 , बंटन पर ₹ 4 (प्रीमियम सहित), शेष प्रथम एवं अंतिम मांग पर। जनता से 70,000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। निम्न के अतिरिक्त सभी धनराशियाँ समय पर प्राप्त हो गई। रमेश जिसके पास 1,000 अंश थे, बंटन तथा प्रथम मांग राशियाँ नहीं दी। सुरेश जिसके पास 2,000 अंश थे, प्रथम मांग राशि का भुगतान करने में असमर्थ रहा। उक्त व्यवहारों को कंपनी की जर्नल एवं रोकड़ बही में दर्ज कीजिये तथा चिठ्ठा तैयार करिये।

Lalita Ltd. was established with an authorised capital of ₹ 10,00,000 divided into 1,00,000 equity shares of ₹10 each, Company issued 75,000 shares to the public at ₹ 11 per share , which was payable as follows: ₹3 on application, ₹4 (including premium) on allotment and balance on first & final call. Applications were received for 70,000 shares from public, All the amount were received in time except the following: Ramesh who holds 1,000 shares, failed to pay the allotment & first and final call money. Suresh holds 2,000 shares , failed to pay first and final call money. Record the above transactions in the cash book and journal of the company and prepare balance sheet.

उत्तर : (paid up capital ₹ 6,85,000 and securities premium ₹ 69,000)

7. माधव लि0 ने ₹10 वाले 60,000 अंश जनता को निर्गमित किये, जो इस प्रकार देय थे : आवेदन पर ₹2, (1 अप्रैल 2016 को देय) , आबंटन पर ₹ 3 (1 जून 2016 को देय), प्रथम मांग पर ₹ 2.50 (1 सितंबर 2016 को देय), द्वितीय एवं अंतिम मांग ₹ 2.50 (1 फरवरी 2017 को देय) 1,00,000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए तथा बंटन निम्न प्रकार किया गया : 50,000 अंशों के आवेदकों को पूर्ण ; 45,000 अंशों के आवेदकों को 10,000 अंश तथा 5,000 अंशों के आवेदकों को शून्य अंश बंटित किये। आवेदन पर प्राप्त अतिरिक्त राशि का उपयोग आबंटन तथा मांग राशियों पर किया गया। अग्रिम पर ब्याज सारणी–F के अनुसार चुकाया गया। उपरोक्त व्यवहारों को दर्ज करने के लिए जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये , यह मानते हुए कि सभी राशियाँ समय पर प्राप्त हो गयी।

Madhav Ltd. issued 60,000 shares of ₹10 each to the public, which were payable as follows : on application ₹ 2 (payable on 1st April, 2016) on allotment ₹ 3 (payable on 1st june , 2016) , on first call ₹ 2.5 (payable on 1st September,2016) , and on second & final call ₹ 2.5 (payable on 1st February,2017). Application were received for 1,00,000 shares & allotment was made as under: To applicants for 50,000 Shares-Full; to applicants for 45,000 shares- 10,000 shares and to applicants for 5,000 shares nil. Excess money received on application was utilised towards allotment and subsequent calls. Interest on calls in advance was paid as per table F. Give journal entries to record the above transactions, assuming all amounts due were received in time.

उत्तर : (interest on calls-in-advance ₹ 1950)

8. हिन्दुस्तान लि0 ने ₹10 वाले 50,000 समता अंश ₹ 2 प्रति अंश प्रीमियम पर जनता को निर्गमित किये, जो इस प्रकार देय थे:

आवेदन एवं बंटन पर	₹ 5 प्रति अंश (प्रीमियम सहित)
प्रथम मांग पर	₹ 3.50
द्वितीय एवं अंतिम मांग पर	₹ 3.50

85,000 अंशों के लिए प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। 10,000 अंशों के आवेदकों को मना कर दिया गया एवं उनकी आवेदन राशि लौटा दी गई। शेष आवेदकों को यथानुपात अंश बंटित किये गये। आवेदन एवं बंटन पर प्राप्त आधिक्य राशि का प्रयोग प्रथम मांग राशि के समायोजन में किया गया। 150 अंशों पर प्रथम मांग राशि प्राप्त नहीं हुयी। 400 अंशों पर द्वितीय एवं अंतिम मांग राशि प्राप्त नहीं हुई।

हिंदुस्तान लि0 की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियां दीजिये तथा चिठ्ठे में अंश पूँजी को प्रदर्शित करिये।

Hindustan Ltd. issued 50,000 equity shares of ₹10 each at ₹2 per shares premium, to the public, which were payable as follows:

On application and allotment	:	₹5 per share (including premium)
On first call	:	₹3.5 per share
On second and final call	:	₹3.5 per share

Application were received for 85,000 shares. Applicants for 10,000 shares were refused and application money there on were returned. Shares were allotted to remaining applicants on pro rata basis. Allotment money was adjusted on the sums due on first call. First call was not received on 150 shares. Second and final call money was not received on 400 shares. Give journal entries in the books of Hindustan Ltd. and show the share capital in the balance sheet.

उत्तर : (calls-in-arrears ₹1550)

9. राजेश लि. ने 30,000 समता अंश ₹10 वाले ₹ 30 प्रति अंश प्रीमियम पर निर्गमित करने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये। राशि इस प्रकार देय थी : आवेदन पर ₹10 प्रति अंश (₹8 प्रीमियम सहित); आबंटन पर ₹ 12 प्रति अंश (₹ 9 प्रीमियम सहित); प्रथम एवं अन्तिम मांग पर – शेष राशि। 28,000 अंशों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए। सभी मांगे मांग ली गई एवं तदानुसार प्राप्त हो गई सिवाय हरी द्वारा धारित 3000 अंशों के, जो कि बंटन एवं मांग राशि का भुगतान करने में असमर्थ रहा और ओम द्वारा धारित 2000 अंशों के, जो कि मांग राशि चुकाने में असमर्थ रहा। राजेश लि. की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए तथा उक्त मदों को चिट्ठे में प्रदर्शित कीजिए।

Rajesh Ltd. invited applications for issuing 30,000 Equity Shares of ₹10 each at a premium of ₹30 per share. The amount was payable as follows : on Application ₹10 per share (including ₹8 premium); on Allotment ₹ 12 per share (including ₹ 9 premium); on First and final call – Balance. Applications for 28000 shares were received. All the calls were made and were duly received except on 3000 shares held by Hari who failed to pay allotment and first and final call money and on 2000 shares held by Om who did not pay the first and final call. Give necessary journal entries in the books of Rajesh Ltd. and show the items in the Balance Sheet.

उत्तर : (Amtt. Received on Allotment ₹ 3,00,000 and on call ₹ 4,14,000. Total of Balance Sheet 9,94,000)

10. मॉर्डन लि. ने ₹10 वाले 10,000 समता अंशों को ₹11 प्रति अंश की दर पर जनता में प्रस्तावित किया। राशि इस प्रकार देय थी : आवेदन पर ₹ 3, आबंटन पर ₹4 (प्रीमियम सहित) तथा प्रथम एवं अन्तिम मांग ₹4. 12000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए तथा संचालकों ने आनुपातिक बंटन किया। राकेश जिसने 240 अंशों के लिए आवेदन किया था, ने बंटन राशि के साथ ही मांग राशि का भुगतान कर दिया। सुकेश जिसे 100 अंश बंटित किये थे, ने बंटन राशि का भुगतान मांग राशि के साथ किया। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए।

Modern Ltd. offered to public 10,000 equity shares of ₹10 each at ₹11 per share. Amount was payable as follows : on Application ₹3; on Allotment ₹4 (including premium) and on first and final call ₹4. Applications were received for 12,000 shares and directors alloted on pro rata basis.

Rakesh, Who applied for 240 shares paid call money alongwith allotment money. Sukesh to whom 100 shares were alloted paid allotment money alongwith call money. Give necessary journal entires.

उत्तर : (Arrear of allotment received with call ₹340, calls in advance ₹800.)

11. अग्रसेन लि. ने ₹10 वाले 20,000 समता अंश जनता को आवेदन हेतु प्रस्तुत किये जिनका भुगतान निम्न प्रकार देय था : आवेदन पत्र पर ₹3, आबंटन पर ₹4 तथा प्रथम एवं अन्तिम मांग पर ₹3। 41,000 अंशों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए, आबंटन निम्नानुसार किया गया– 3000 अंशों के आवेदकों को कोई आबंटन नहीं तथा 10,000 अंशों के आवेदकों को शत–प्रतिशत, 12000 अंशों के आवेदकों को 50 प्रतिशत तथा 16000 अंशों के आवेदकों को 25 प्रतिशत। आवेदन पर प्राप्त आधिक्य राशि का उपयोग बंटन तथा मांग राशि के समायोजन में किया गया। जिन आवेदकों को कोई अंश बंटित नहीं किये गये उनकी आवेदन राशि लौटा दी गई। सभी राशियां निर्धारित समय पर वसूल हो गयी। कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए।

Agrasen Ltd. offered 20,000 equity shares of ₹10 each to public for application, on these payment was payable as follows : ₹3 on Application, ₹4 on Allotment and ₹ 3 on first and final call. Applications were received for 41,000 shares and allotment was made as follows-Applicants of 3000 shares were allotted non shares, Applicants of 10,000 shares were allotted 100 percent shares, applicants of 12000 shares were allotted 50 percent shares and Applicants of 16000 shares were allotted 25 percent shares. Excess money received on application was adjusted on allotment and call money. The applicants to whom no shares were allotted, application money was refunded, all money was received in time. Give journal entries in the books of company.

उत्तर : (Amount refund ₹17000, Adjusted on Allotment ₹34,000 and Adjusted on call ₹12,000)

12. एक कम्पनी ने प्रत्येक ₹ 100 वाले 25,000 समता अंश जनता को निर्गमित किये। अंशों पर राशियाँ इस प्रकार देय थी– **(क)** प्रार्थना पत्र पर ₹ 30, **(ख)** बंटन पर ₹ 50 (₹10 प्रीमियम सहित), **(ग)** प्रथम एवं अन्तिम मांग पर ₹30. 60,000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। 10,000 अंशों के प्रार्थियों को कोई बंटन नहीं किया गया और उनकी आवेदन राशि लौटा दी गई। शेष प्रार्थियों को यथानुपात बंटन किया गया। गणेश ने, जिसको 250 अंशों का बंटन किया गया था, प्रथम एवं अन्तिम मांग राशि नहीं चुकायी। अन्य सभी अंशधारियों ने समय पर भुगतान कर दिया। उपर्युक्त व्यवहारों की कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए।

A company issued 25000 Equity Shares of ₹100 each to public. Amount on shares were payable as follows: **(a)** ₹ 30 on Application **(b)** ₹ 50 (including premium) on Allotment **(c)** ₹ 30 on first and final call. Applications were received for 60,000 shares. No shares was allotted to the applicants of 10,000 shares and their application money was refunded. Remaining applicants were made prorata allotment. Ganesh, to whom 250 shares were allotted failed to pay first and final call money, other shareholders has paid with in time. Give journal entries for above transactions in the books of the company.

उत्तर : (Amount refund ₹3,00,000, Amount Adjusted on Allotment ₹7,50,000 and Amount received on call ₹7,42,500)

13. यतेन्द्र लि० ने ₹100 वाले 6000, 11% ऋणपत्र जनता में निर्गमित किये। सम्पूर्ण राशि 01 जुलाई 2016 को आवेदन पर देय थी। कम्पनी को 8000 ऋणपत्रों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। संचालकों ने 31 जुलाई 2016 को यथानुपात बंटन किया तथा आधिक्य आवेदन राशि लौटा दी। कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां दीजिए, यदि ऋणपत्रों का निर्गमन **(i)** सम मूल्य पर **(ii)** 5% प्रीमियम **(iii)** 4% बट्टे पर किया जाये।

Yatendra Ltd. issued 6000, 11% Debentures of ₹100 each to the public. Whole of the amount was payable on application on 1st July 2016. The company received applications for 8000 debentures-The directors made pro-rata allotment on 31st July 2016 and refunded the excess application money- Give necessary journal entries in the books of the company, if debentures are issued **(i)** at par **(ii)** at 5% premium **(iii)** at 4% discount.

उत्तर: Excess application money will be refunded (i) ₹200000 (ii) ₹210000 (iii) ₹192000

14. तन्मय लि० ने ₹100 वाले 2000, 9% ऋणपत्र 20% प्रीमियम पर निर्गमित किये जिन पर राशि इस प्रकार देय थी। आवेदन पर ₹40, बंटन पर ₹45 (प्रीमियम सहित) तथा शेष राशि प्रथम एवं अंतिम मांग पर 4,000 ऋणपत्रों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए। 1000 ऋणपत्रों के आवेदकों को बंटन से मना कर दिया गया तथा शेष आवेदको में 2000 ऋणपत्रों का यथानुपात बंटन किया गया। आधिक्य आवेदन राशि बंटन पर समायोजित की गई। समस्त देय राशियाँ समय पर प्राप्त हो गई। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां दीजिये।

Tanmay Ltd. issued 2000, 9% debentures of ₹100 each at 20% premium, payable as follows: ₹40 on application, ₹45 (including premium) on allotment and balance on first and final call. Applications were received for 4000 debentures. Applicants for 1000 debentures were refused to allot debentures and 2000 debentures were allotted among remaining applicants. Excess application money was adjusted on allotment. All the amount was received in time. Give necessary journal entries.

उत्तर: [Amount received on allotment ₹50000]

15. राजेंद्र लि० ने ₹100 वाले 15000 12% ऋणपत्र 5% बट्टे पर निर्गमित किये, जिन पर राशि इस प्रकार देय थी : आवेदन पर 30%, बंटन पर 35% तथा शेष प्रथम एवं अंतिम मांग पर। समस्त ऋणपत्रों के लिए आवेदन प्राप्त हुए तथा बंटन किया गया। समस्त राशियाँ समय पर प्राप्त हो गयी, सिवाय 500 ऋणपत्रों के एक धारक के जिसने प्रथम एवं अन्तिम मांग का भुगतान नहीं किया। कम्पनी की जर्नल व रोकड़ बही में प्रविष्टियाँ दीजिये।

Rajendra Ltd. issued 15000 12% debentures of ₹100 each at a discount of 5%, payable as follows 30% on application, 35% an allotment and balance on first and final call. Applications were received for whole of the debentures and debentures were allotted. All the amount was received in time except one debenture holder who hold 500 debentures did not pay the first & final call. Give entries in journal and cash book of the company.

उत्तर: [balance of cash book ₹14,10,000]

16. विष्णु लि० ने विपिन से ₹12,00,000 की सम्पत्ति एवं ₹,1,92,000 के दायित्वों के साथ चालू व्यापार खरीदा। क्रय प्रतिफल का भुगतान ₹100 वाले 7% ऋणपत्र निर्गमित कर किया गया। विष्णु लि0 की पुस्तकों में व्यापार क्रय व ऋण पत्रों के निर्गमन की प्रविष्टियाँ दीजिये, यदि ऋणपत्रों का निर्गमन **(अ)** सममूल्य पर **(ब)** 5% प्रीमियम पर (स) 4% बट्टे पर किया गया हो।

Vishnu Ltd. purchased the business of Vipin with the assets of ₹12,00,000 and liabilities of ₹1,92,000. Purchase consideration was paid by issuing 7% debentures of ₹100 each. Give journal entries in the books of Vishnu Ltd., for purchase of business and issue of debentures, if debentures are issued (A) at par (B) at 5% premium (C) at 4% discount.

उत्तर : No. of debentures to be issued (A) 10,080 (B) 9,600 (C) 10,500.

17. गजेन्द्र लि० ने बैंक ऑफ़ इंडिया से ₹5,00,000 का ऋण लिया तथा समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ₹ 6,00,000 के 7% ऋण पत्र बैंक के पास रखे। गजेन्द्र लि० की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियां दीजिये तथा चिट्ठा बनाइये। यदि, **(i)** समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित ऋणपत्रों की प्रविष्टि नहीं की जाती है। **(ii)** यदि ऋणपत्र निर्गमन पर प्रविष्टि की जाती है।

Gajendra Ltd. took a loan of ₹ 5,00,000 from Bank of India and put 7% Debentures of ₹6,00,000 to the bank as collateral security. Give journal entries in the books of Gajendra Ltd. and draw balance sheet. If (i) no entry was made (ii) entry was passed for issue of debentures as collateral security.

18. सतीश लि० ने ₹6 00 000 के 8% ऋणपत्रों का निर्गमन निम्न प्रकार किया—**(i)** ₹3,00,000 के 8% ऋणपत्रों को 20% प्रीमियम पर नकद के लिये। **(ii)** अर्नव लि० से ₹1,25,000 का कम्प्यूटर ख़रीदा, प्रतिफल स्वरुप उसको ₹1,50,000 अंकित मूल्य के 8% ऋणपत्र निर्गमित किये। **(iii)** बैंक से ₹1,00,000 का ऋण लिया। बैंक के पास समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ₹1,50,000 के 8% ऋणपत्र जमा कराये। सतीश लि० की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये एवं चिट्ठा तैयार कीजिये।

Satish Ltd. issued 8% debentures of ₹6,00,000 as follows: **(i)** 8% Debentures of ₹3,00,000 at 20% premium for cash. **(ii)** a computer of ₹1,25,000 purchased from Arnav Ltd., for the consideration of

it, issued 8% debentures with a nominal value of ₹1,50,000. **(iii)** taken a loan of ₹1,00,000 from bank- deposited to the bank 8% debentures of ₹1,50,000 as collateral security. Give journal entries in the books of Satish Ltd. and prepare balance sheet.

उत्तर : [Total of balance sheet ₹6,10,000].

19. निम्नलिखित परिस्थितियों में ऋणपत्रों के निर्गमन की आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिये–

(i) एक कम्पनी ने ₹100 वाले 1000 12% ऋणपत्र सम मूल्य पर निर्गमित किये जो सममूल्य पर शोध्य हैं।

(ii) एक कम्पनी ने ₹100 वाले 2000 8% ऋणपत्र 10% बटटे पर निर्गमित किये जो सममूल्य पर शोध्य हैं।

(iii) एक कम्पनी ने ₹100 वाले 5000 7% ऋणपत्र 5% प्रीमियम पर निर्गमित किये जो सम मूल्य पर शोध्य हैं।

(iv) एक कम्पनी ने ₹100 वाले 3000 6% ऋणपत्र सम मूल्य पर निर्गमित किये जो 5% प्रीमियम पर शोध्य हैं।

(v) एक कम्पनी ने ₹100 वाले 4000 8% ऋणपत्र 2% बट्टे पर निर्गमित किये जो 6% प्रीमियम पर शोध्य हैं।

(vi) एक कम्पनी ने ₹100 वाले 5000 7% ऋणपत्र 5% प्रीमियम पर निर्गमित किये जो की 6% प्रीमियम पर शोध्य हैं।

Give necessary journal entries for issue of debentures in the following cases :

(I) A company issued 1000 12% debentures of ₹100 each at par, redeemable at par.

(II) A company issued 2000 8% debentures of ₹100 each at discount of 10%, redeemable at par.

(III) A company issued 5000 7% debentures of ₹100 each at a premium of 5%, redeemable at par.

(IV) A company issued 3000 6% debentures of ₹100 each at par, redeemable at 5% premium.

(V) A company issued 4000 8% debentures of ₹100 each at a discount of 2%, redeemable at 6% premium.

(VI) A company issued 5000 7% debentures of ₹100 each at a premium of 5%, redeemable at 6% premium.

20 राकेश लि० ने 01 अप्रैल 2016 को ₹8,00,000 को 12% ऋणपत्र जनता को प्रस्तावित किये प्रत्येक ₹100 वाला, सम्पूर्ण भुगतान आवेदन पर 01 मई 2016 को या इससे पूर्व देय था। निर्गमन की शर्तों के अनुसार ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान छमाही आधार पर प्रतिवर्ष 30 सितम्बर व 31 मार्च को 10% आयकर काटकर किया जायेगा। जनता से 8,000 ऋणपत्रों के लिए प्रस्ताव आये। कम्पनी ने 01 जून 2016 को बंटन किया। कम्पनी की पुस्तकों में वर्ष 2016–17 में ब्याज के भुगतान एवं लाभ– हानि विवरण में अंतरण की प्रविष्टियाँ दीजिये।

Rakesh Ltd. offered to public 12% debentures of ₹8,00,000, ₹100 each. Whole amount was payable on application on or before. 1st May 2016. As per term of issue debentures interest was payable half yearly basis on 30th September and 31st March each year, after deducting income tax at the rate of 10%. Public offered to purchase 8,000 debentures. Company made allotment of debentures on 01st june 2016. Give journal entries in the books of the company for payment of debentures interest for the year 2016-17 and transferred it to Statement of Profit & Loss.

उत्तर: [debentures interest will be transfer to statement of P&L ₹80,000 on 31st March 2017]

21. जी लि० ने 01 अप्रैल 2015 को ₹100 वाले 5000 12% ऋणपत्र 4% बट्टे पर निर्गमित किये। ऋणपत्रों का शोधन ₹1,00,000 की वार्षिक क़िस्तों में 31 मार्च 2017 से प्रारम्भ किया गया। प्रतिवर्ष अपलिखित की जाने वाली बट्टे की राशि की गणना कीजिये और कम्पनी की पुस्तकों में बट्टा खाता बनाइये।

Z Ltd. issued 5000 12% debentures of ₹100 each at a discount of 4% on 01st April 2015. The debentures were repayable by annual drawing of ₹1,00,000 starting on 31st March 2017. Calculate the amount of discount to be written off each year and also prepare discount on debentures account in the books of the company.

उत्तर: [31 मार्च 2017 से प्रतिवर्ष अपलिखित किया जाने वाला बट्टा क्रमशः ₹ 5,000 , ₹ 5,000 , ₹ 4,000 , ₹3,000 , ₹ 2,000 एवं ₹ 1,000]